दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 296 | जयपुर, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023 | आश्विन, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

राजस्थानवासियों द्वारा
3 करोड़ 32 लाख
से भी ज़्यादा सुझावों से तैयार किया गया
राजस्थान की प्रगति 10 गुना करने
का मास्टर प्लान

मिशन 2030 के तहत
संपूर्ण राजस्थान के लोगों द्वारा अपने
सपनों, रंगों, अपेक्षाओं, विचारों व सुझावों
से उकेरा गया गुलदस्ता

राजस्थान
मिशन
2030
मास्टर प्लान
विजन डॉक्यूमेंट

का विमोचन
द्वारा
श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

दिनांक - 05 अक्टूबर 2023
स्थान- कॉमर्स कॉलेज ग्राउंड, जयपुर
समय- अपराह्न 2.30 बजे

LIVE प्रसारण देखने के लिए
या स्कैन करें
लॉग ऑन करें -
@AshokGehlot.Rajasthan

आयोजना विभाग, राजस्थान

जरूरी खबर

आरयू के डीएसडब्ल्यू बने प्रो. आई. यू. खान

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पद पर आगामी एक साल के लिए प्रो. आई. यू. खान की नियुक्ति की गई हैं। कुलपति ने डॉ. नरेश मलिक के कार्यकाल समाप्त होने पर प्रो. खान को डीएसडब्ल्यू लगाया गया हैं। प्रो. आई. यू. खान फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट के ड्रॉइंग विषय के प्रोफेसर हैं। खान पहले प्रॉक्टल बोर्ड के सदस्य और राजस्थान कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल भी रहे हैं।

सफाई कर्मचारी भर्ती के आवेदनों की छंटनी शुरू

जयपुर। स्वायत शासन विभाग की ओर से निकाली गई सफाई कर्मचारियों की भर्ती में निकाय स्तर पर आवेदन पत्रों की छटनी शुरू हो गई है, जो कि 13 अक्टूबर तक चलेगी। डीएलबी निदेशक हृदयेश कुमार शर्मा ने चयन प्रक्रिया के संबध में बताया कि छटनी के बाद निकाय स्तर पर आवेदकों के दस्तावेज की जांच की जाएगी। फिर निदेशालय निकायवार आवेदकों के दस्तावेज सत्यापन के लिए प्रवेश पत्र जारी करेगा। वहीं प्रदेश के सभी निकाय दस्तावेज का सत्यापन करेंगे। सत्यापन में सही पाए जाने वाले आवेदकों को नवंबर के अंतिम सप्ताह में प्रायोगिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा और फिर सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा।

रोसकॉन ने वेतन विसंगति को लेकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य प्रशासनिक सेवा परिसंघ (रोसकॉन) ने वेतन विसंगति को लेकर मंगलवार को मुख्य सचिव उषा शर्मा और अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा को ज्ञापन सौंपा। रोसकॉन के अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अन्य प्रशासनिक सेवाओं में वेतन विसंगतियां व्याप्त हैं। इस बारे में लगातार मुख्यमंत्री व अन्य अधिकारियों से मांग की जा रही है। हाल ही में आरएएस, आरपीएस, लेखा सेवा और बीमा सेवा के लिए वेतनमान एल-23 से बढाकर एल-24 करने से वेतन विसंगति और बढ़ गई हैं। समान चयन प्रक्रिया होते हुए भी अन्य प्रशासनिक सेवाओं को कम वेतनमान दिए जा रहे हैं।

सुझाव आपका, संकल्प हमारा अभियान की शुरुआत 15 दिन में सभी विधानसभाओं में पहुंचने का रखा लक्ष्य

जनता के सुझावों से तैयार होगा भाजपा का घोषणा पत्र

■ मंच से राजे ने बताया नड्डा को अंबेडकर, जोशी ने किरोड़ी को युवा नेता

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने घोषणा पत्र तैयार करने की तैयारी कर ली हैं। इस बार घोषणा पत्र को 'संकल्प पत्र' का नाम दिया है, जिसकी थीम 'आपणो राजस्थान, सुझाव आपका, संकल्प हमारा' दिया हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम से संकल्प पत्र के लिए जनता से सुझाव मांगने के राज्यव्यापी अभियान की शुरूआत की और राज्य के

अलग-अलग जगहों के लिए 50 रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन रथों में 'आकांक्षा पेटी' भी रखी गई है, जिसमें लोग अपने लिखित सुझाव भी दे सकते हैं। इन रथ के जरिए 15 दिन में सभी विधानसभाओं के 1.5 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। 4 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 20 अक्टूबर तक चलेगा। इन 15 दिनों में इस अभियान के जरिए 1.5 करोड़ लोगों से संपर्क कर उनके सुझाव लिए जाएंगे। यह रथ विधानसभा क्षेत्रों के शहर-शहर, गांव-गांव और ढ़ाणी-ढ़ाणी तक जाकर सुझाव लेंगे। हर रथ में एक आकांक्षा पेटी रखी होगी, जिसमें कोई भी व्यक्ति अपने सुझाव डाल सकता हैं।

इसके अलावा मिस्ड कॉल, वाट्सएप, वॉइस मेसेज, ई-मेल के जरिए भी अपने सुझाव दे सकेंगे। जिन्हें पार्टी अपने सुझावों में शामिल करेंगे।

नड्डा ने किए मोती डूंगरी गणेश के दर्शन

नड्डा ने रथ को रवाना करने से पहले सबसे पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पहुंच कर भगवान का आशीर्वाद लिया। फिर बिड़ला सभागार में पहुंच सभा को संबोधित किया इस दौरान टोल फ्री नंबर व सुझाव पेटिका का अनावरण किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रभारी अरुण सिंह, अल्का गुर्जर, उप-नेता सतीश पूनिया मौजूद रहे।

पीएम आज करेंगे उदयपुर हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उदयपुर हवाई अड्डे के अत्याधुनिक नए टर्मिनल भवन का जोधपुर से वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। 887 करोड़ की लागत से बनने वाले नए टर्मिनल भवन उदयपुर और आस-पास के जिलों के लोगों को एयरपोर्ट पर और अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने बताया कि प्रदेश में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विकास को लेकर संकल्पित है। प्रदेश में हवाई यातायात की बढ़ती मांग को देखते हुए अत्याधुनिक नए टर्मिनल भवन का निर्माण किया जा रहा है।

घोषणाओं से प्रदेश में आया आर्थिक संकट

राजे ने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार की घोषणाओं ने प्रदेश को आर्थिक संकट में ला दिया। वहीं गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि कोई यह नहीं सोचे की मैं राजा बन गया। वह जब तक नहीं बनता तब तक प्रजा का साथ नहीं हो। वहीं नड्डा के लिए कहा कि यहां हमारे अंबेडकर जी बैठे है ये घोषणा पत्र बनाएंगे।

पार्टी पूरी तैयारी बाद ही मैदान में उतारेगी उम्मीदवार

टिकट वितरण से पहले हर छोटी कमी को दूर करने में जुटी कांग्रेस

■ मिस्त्री ने कहा- राजस्थान में फिर से कांग्रेस सरकार बनेगी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मिशन रिपीट अभियान में जुटी प्रदेश कांग्रेस हर हाल में सिर्फ जिताउ कैडिंडेट पर फोकस करने में जुटी हैं। इसके लिए जयपुर से लेकर दिल्ली तक लगातार बैठकों का दौर जारी हैं। बुधवार को भी कांग्रेस ऑब्जर्वर मधुसूदन मिस्त्री जयपुर पहुंचे और यहां फिर से उम्मीदवारों को लेकर फीडबैक लिया।

वहीं पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा और पीसीसी वार रूम इंचार्ज शशिकांत सैंथिल ने प्रदेश कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी सचिवों के साथ बैठक ली। इन बैठकों के जरिए टिकट वितरण से पहले हर छोटी कमी भी दूर करने में कांग्रेस जुटी हुई हैं। पार्टी कहीं भी कोई भी हार को लेकर लीकेज नहीं छोड़ना चाहती हैं इसके लिए पूरी तैयारी बाद ही मैदान में उम्मीदवार उतारे जाएंगे। फीडबैक लेने पहुंचे मिस्त्री ने कहा कि राजस्थान में फिर से कांग्रेस सरकार बनेगी।

जिताऊ उम्मीदवारों को लेकर किया मंथन

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री ने कार्यकर्ताओं से चर्चा कर क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों की रिपोर्ट ली। प्रत्येक विधानसभा में पार्टी की गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करने, टिकटों के दावेदारों और पार्टी की स्थिति की रिपोर्ट ली। वहीं अभी कौन से कैंडिडेट जिताऊ हैं उनको लेकर मंथन किया। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने टिकट चयन में उन्हीं उम्मीदवारों को टिकट देने का फैसला किया है जो जिताऊ हैं। पिछली बार की गलतियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने यह निर्णय लिया हैं। कांग्रेस में विधानसभा चुनावों में सभी 200 सीट पर टिकट वितरण की कवायद अंतिम चरण में हैं। इसलिए यह बैठकें उम्मीदवारों की सूची आने से पहले अहम मानी जा रही हैं। यह बैठक कांग्रेस क मिशन रिपीट अभियान को पूरा करने के लिए ली गई हैं। बैठक में पर्यवेक्षकों से एंटी इनकमबेंसी, वर्तमान विधायक के काम, प्रत्याशी बदलने या रिपीट करने, जनता का फीडबैक और संभावित बागियों के लेकर मंथन किया गया।

बूथ-मंडल स्तर तक काम करने के दिए निर्देश

पीसीसी महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिए वॉर रूम स्थापित किया गया हैं। चुनावों की तैयारियों के लिए वॉर रूम के सदस्यों की प्रदेश कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ कार्य करने और विधानसभा क्षेत्रों में निर्देशों के क्रियान्वयन को देखने के लिए विधानसभा प्रभारी प्रदेश सचिवों को जिम्मेदारी प्रदान की गई हैं। इस बैठक में सभी प्रदेश सचिवों के साथ विधानसभावार बूथ और मण्डल स्तर पर कार्ययोजना की रणनीति पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। साथ ही डोटासरा और प्रभारी शशिकांत सैंथिल द्वारा प्रभारी सचिवों को अपने-अपने प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्र में चुनावों की तैयारियों में जुटकर बूथ और मण्डल स्तर पर प्रभावी रूप से कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए।

आमजन की बढ़ेगी सुविधा

सीएम ने प्रदेशवासियों के लिए कई योजनाओं की दी वित्तीय स्वीकृति

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को आमजन से जुड़ी कई योजनाओं को लेकर वित्तीय स्वीकृतियां जारी की। इस कड़ी में डीग जिले में कुम्हेर बाईपास के निर्माण के लिए 68.30 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार इस तीन लेन बाईपास का निर्माण कुम्हेर के बैलारा नहर से पला मोड़ तक होगा और इसकी कुल लम्बाई 9.89 कि.मी.होगी। इसका निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत किया जाएगा।

वहीं धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं विकास के क्रम में गहलोत ने अलवर जिले की टहला तहसील स्थित श्री नारायणी माताजी धाम के विकास के लिए पर्यटन विकास कोष से 2.69 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

बीकानेर के पूगल में खुलेगा वृत्त कार्यालय

प्रदेशवासियों को त्वरित न्याय दिलाने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीकानेर के पूगल में नवीन वृत्त (पुलिस उपाधीक्षक) कार्यालय खोलने की स्वीकृति दी है। इस वृत्त कार्यालय के अधीन थाना पूगल व दंतौर शामिल किए जाएंगे। गहलोत ने इस कार्यालय के लिए 7 नवीन पदों के सृजन एवं आवश्यक संसाधन के लिए 10.91 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति भी दी है।

मिलेगा एक अतिरिक्त अन्नपूर्णा फूड पैकेट

मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में पात्र परिवारों को अक्टूबर-नवम्बर की अवधि में खाद्य सामग्री का एक अतिरिक्त किट मिलेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए लगभग 360 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि दीपावली एवं अन्य त्यौहारों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने हाल ही में अपने जोधपुर दौरे के दौरान यह संवेदनशील घोषणा की थी।

मिशन 2030 को लेकर आज होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

स्कूल शिक्षा की निबंध प्रतियोगिता के स्टेट टॉपर्स को लैपटॉप देंगे CM

बेधड़क | जयपुर

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित हुई निबंध प्रतियोगिता में प्रदेश में टॉप चार स्थानों पर रहे विद्यार्थियों को लेपटॉप दिए जाएंगे।

गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कॉमर्स कॉलेज में विजन-2030 को लेकर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री गहलोत कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार के रूप में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ

निबंध लिखने वाले चार टॉपर विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान करेंगे। वहीं जिला स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 50 विद्यार्थियों को द्वितीय पुरस्कार के रूप में टेबलेट और 148 अन्य श्रेष्ठ प्रविष्टियों के लिए स्मार्ट फोन दिए जाएंगे। कार्यक्रम में सीएम व्याख्याता भर्ती परीक्षा और अध्यापक भर्ती परीक्षा लेवल-प्रथम के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी देंगे।

टॉप चार में हिन्दी भाषा में निबंध लेखन के लिए जोधपुर (ग्रामीण) से छात्र महेश और पाली से छात्रा भव्या शर्मा का चयन हुआ है। वहीं अंग्रेजी भाषा में लेखन के लिए बांसवाड़ा से महात्मा गांधी विद्यालय, खांदू कॉलोनी की छात्रा विधि डामोर और जयपुर में मालवीय नगर (सैक्टर-1) की छात्रा सुहानी जैन चार टॉप विद्यार्थियों में शामिल है।

बिजली समस्याओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक मुख्य सचिव ने कहा...

फील्ड में प्रभावी मॉनिटरिंग करें अधिकारी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में बिजली आपूर्ति को लेकर हो रहीं समस्याओं पर बुधवार को मुख्य सचिव उषा शर्मा ने शासन सचिवालय में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। मुख्य सचिव शर्मा ने अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्य करने और प्रभावी मॉनिटरिंग कर प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्य के समस्त विद्युत सर्कल आपस में समन्वय कर संसाधनों का प्रभावी उपयोग करें, जिससे बिजली आपूर्ति में कोई व्यवधान न आए।

शर्मा ने अभियंताओं को पूरी गंभीरता के साथ कार्य करने और उन्हें विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य के प्रति लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर उचित कार्रवाई भी की जाए। शर्मा ने प्रदेश में विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से उत्पादित हो रही बिजली की विस्तृत समीक्षा भी की।

ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर टीमों का गठन किया है। उन्होंने बताया कि जहां लोड ज्यादा होने से ट्रांसफार्मर जलते हैं, वहां अधिकारियों को 72 घंटे में खराब ट्रांसफार्मर को बदलने के निर्देश भी दिए हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारियों को विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने, ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत करने, विद्युत संयंत्रों के प्रभावी प्रबंधन व मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया गया है। विद्युत निगमों की ओर से भास्कर ए सावंत ने आश्वस्त किया कि सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

निर्वाचन विभाग ने जारी की मतदाता सूची

200 विस सीटों पर 5 करोड़ से अधिक लोग डालेंगे वोट

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए निर्वाचन विभाग ने मतदाता सूचियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में बुधवार को प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों पर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन कर दिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूचियों के इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि अन्तिम प्रकाशन की तिथि तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80 हजार

545 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जानकारी दी गई।

सभी दलों से बीएलए नियुक्त करने का आह्वान किया है। वहीं सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा भी जिला स्तर पर इस संबंध में राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई।

1.27 फीसदी मतदाताओं की हुई बढ़ोतरी

उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम में निर्धारित अवधि में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रारूप-6 में कुल 10 लाख 92 हजार 358 आवेदन पत्र और प्रारूप-7 में हटाने के लिए 3 लाख 95 हजार 934 आवेदन पत्र स्वीकार हुए। इस क्रम में राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है जो कि 1.27 प्रतिशत है। मतदाता सूची में 80 वर्ष से अधिक आयु के कुल 11.78 लाख मतदाता, 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल 17241 मतदाता पंजीकृत हैं। इन मतदाताओं को होम वोटिंग के रूप में पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा का विकल्प प्रदान किया गया है।

जयपुर में 50 लाख से ज्यादा मतदाता

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद जिले के 19 विधानसभा सीटों पर कुल 50 लाख 47 हजार 219 मतदाता विधानसभा चुनाव में वोट डालेंगे। इनमें 26 लाख 36 हजार 25 पुरुष मतदाता और 24 लाख 11 हजार 194 महिला मतदाता शामिल होंगे। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव में 1.96 लाख से ज्यादा नए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

16 RPS के किए तबादले

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार लगातार फील्ड अधिकारियों के ट्रांसफर कर रही है। इसी क्रम में एडीजी कार्मिक संजीव कुमार नार्जारी ने बुधवार को एक आदेश कर जारी कर 16 उपाधीक्षक स्तर के आरपीएस के तबादले कर दिए हैं।

इनमें तरुणकांत सोमानी को सीओ छबड़ा जिला बारां, बुद्धाराम विश्नोई को सीओ सोजत सिटी ब्यावर, कैलाश जिंदल को एसीपी अशोक नगर जयपुर, मुकेश चौधरी को सीओ भिवाड़ी जिला भिवाड़ी, सुरेन्द्र सिंह को सहायक कमांडेंट 5वीं बटालियन जयपुर, महेश चंद्र मीणा सीओ आबकारी, विजय कुमार को सीओ खानपुर झालावाड़, राजीव रहाड को सीओ रेवदर सिरोही, संजीव कुमार आर्य को सीओ यातायात अलवर,

नेत्रपाल सिंह को सीओ आरपीए जयपुर, घनश्याम वर्मा को सीओ पुलिस मुख्यालय, मृत्युंजय मिश्रा को सीओ झाडोल उदयपुर, पार्थ शर्मा को सीओ राजसमंद, राहुल जोशी को सीओ एससी-एसटी सेल राजसमंद, अभय कुमार को सीओ साइबर सेल राजसमंद और रुद्र प्रकाश शर्मा को सीओ लीव रिजर्व सीआईडी सीबी जयपुर लगाया गया है।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 296 | जयपुर, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023 | आश्विन, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

PM आज जोधपुर में, देंगे 5 हजार करोड़ की सौगातें

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को एक बार फिर राजस्थान में होंगे। पीएम सुबह 11 बजे मिनट करीब 5000 करोड़ रुपए लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसमें सड़क, रेल, विमानन, स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा, जोधपुर आईआईटी, एम्स ट्रोमा सेंटर, एलसेंटर एवं नया एयरपोर्ट टर्मिनल भी शामिल हैं। वहीं, जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

AAP सांसद संजय सिंह को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। 'आप' सांसद संजय सिंह को बुधवार को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि उन्हें दिल्ली शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। सुबह ही केंद्रीय एजेंसी ने उनके घर समेत कई ठिकानों पर छापे भी मारे थे। 51 साल के संजय सिंह तीसरे 'आप' नेता हैं, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। 'आप' ने आरोप लगाया कि ईडी ने उनके राज्यसभा सांसद संजय सिंह को निशाना बनाया है, क्योंकि उन्होंने संसद में अडाणर ग्रुप से जुड़े मुद्दे उठाए थे।

अग्रसेन कल्याण बोर्ड गठित, सीएम ने दी मंजूरी

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य अग्रसेन कल्याण बोर्ड का गठन किया है। यह समाज की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही प्रमाणिक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर इन वर्गों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने और इनके पिछड़ेपन को दूर करने के लिए राज्य सरकार को सुझाव देगा। साथ ही, सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों के खिलाफ उपाय करने सहित अन्य सुझाव भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

LPG पर मोदी सरकार का बड़ा तोहफा: केंद्र सरकार ने सब्सिडी 100 रुपए बढ़ाई, अगले तीन साल में देंगे 75 लाख सिलेंडर

अब ₹606 में मिलेगा 'उज्ज्वला' सिलेंडर... प्रदेश में 500 का

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर पर अतिरिक्त 100 रुपए की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। यह उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेगा। इस तरह अब दिल्ली में सिलेंडर की कीमत 603 और रुपए हो गई है। अब तक लाभार्थियों को 703 रुपए में मिल रहा था। राजस्थान सरकार में यह 500 रुपए में दे रही है।

बता दें कि उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई, 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। योजना के लाभार्थियों को पहली बार गैस सिलेंडर और एक गैस चूल्हा मुफ्त में दिया जाता है। अब तक केंद्र सरकार योजना के लाभार्थियों को घरेलू गैस सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी देती थी। अब इसे 100 रुपए बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही नई सब्सिडी कुल 300 रुपए की हो गई है।

एक महीने पहले से 500 सस्ता

केंद्र सरकार ने पिछले दिनों बड़ी कटौती करते हुए 200 रुपए सस्ता कर दिया तो सिलेंडर के दाम 903 रुपए हो गए थे। वहीं, उज्ज्वला के ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर दिल्ली में 703 रुपए में मिल रहा था। अब नई कटौती के बाद सिलेंडर की कीमत दिल्ली 603 रुपए हो गई है, जो एक माह पहले 1103 थी।

देश में अब तक कितने लाभार्थी

उज्ज्वला योजना में अगले 3 साल तक महिलाओं को 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन दिए जाएंगे। इससे लाभान्वित होने वाली कुल महिलाओं की संख्या बढ़कर 10.35 करोड़ हो जाएगी। बता दें कि इस योजना का मकसद लकड़ी या दूसरे तरीके से खाना पकाने वाली महिलाओं को धुएं से बचाना था।

राजस्थान सरकार को राजस्व की होगी बचत

प्रदेश की सरकार पहले से ही बीपीएल और उज्ज्वला योजना में शामिल परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रही है। 1 अप्रैल से सीएम गहलोत ने 'मुख्यमंत्री गैस सिलेंडर' योजना के तहत 750 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे राज्य के 76 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। जब सिलेंडर की कीमत 1106 रुपए थी तब राज्य सरकार उज्जवला व बीपीएल परिवारों को 606 रुपए की सब्सिडी दे रही थी। इसमें 406 रुपए राज्य सरकार और 200 रुपए की सब्सिडी केंद्र सरकार भी दे रही थी। पहले पांच राज्यों में चुनाव से पहले मोदी सरकार ने दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। इसके बाद जयपुर में अब सिलेंडर 906 रुपए में मिल रहा है, जो अब 100 रुपए अतिरिक्त छूट से 606 रुपए में हो गया है। जो राज्य सरकार 500 रुपए में उपलब्ध कराएगी। जाहिर है राज्य सरकार को राजस्व की बचत होगी।

'सुझाव आपका, संकल्प हमारा' की शुरुआत: नड्डा बोले...

गहलोत साहब 2030 से पूर्व है 23, गुलाटी खा जाओगे

@ जयपुर

■ भाजपा ने मैनिफेस्टो को लेकर मांगे सुझाव, नड्डा ने रवाना किए 50 रथ

लाल डायरी का जिक्र... कांग्रेस पर लगाए भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण के आरोप

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि मैं यहां आया तो देखा जगह-जगह मिशन-2030 के पोस्टर लगे हैं। उन्होंने गहलोत के विजन 2030 डॉक्यूमेंट पर तंज कसते हुए कहा कि गहलोत साहब 2030 से पहले 2023 आता हैं। गिनती भूल गए क्या? गुलाटी खा जाओगे।

प्रदेश की जनता आपको गुलाटी खिलाने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका मकसद है लूट, सरकार में आओ और लूटो, भाई को भाई से लड़ाओ और तुष्टीकरण को आगे बढ़ाओ। हमारा मकसद देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, आदिवासी, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं का सशक्तीकरण का है। पांच साल तक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहे। इस खोजबीन में लगे रहे कि सचिन कहां जाता है, क्या करता है। इनकी खींचतान चलती रही। कुर्सी बचाने के लिए इन्होंने अपने मंत्रियों और विधायकों को खुली छूट दी और राजस्थान में हर किस्म की लूट मचाई।

सचिवालय में गोल्ड और नोट हो रहे हैं बरामद

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के नए-नए रिकॉर्ड बनाए। सचिवालय से गोल्ड और नोट बरामद होता है। हमने 'लाल किताब' के बारे में सुना था, लेकिन यहां 'लाल डायरी' का खेल भी देखा। इनके मंत्री ने 'लाल डायरी' दिखाई नहीं कि उनकी मंत्री पद से छुट्टी हो गई, लेकिन भरतपुर की कांग्रेस विधायक के पति पर रेप और मर्डर के आरोप के बावजूद उनकी छुट्टी नहीं हुई।

200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे रथ

आसन्न विधानसभा चुनाव में जनता की राय जानने के लिए भाजपा ने 'आपणो राजस्थान - सुझाव आपका, संकल्प हमारा अभियान' की शुरुआत की। बुधवार को जयपुर के बिड़ला सभागार से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 50 रथों को झंडी दिखाकर रवाना किया। भाजपा के मैनिफेस्टो को लेकर सुझाव मांगने के लिए ये रथ 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे।

राहुल-प्रियंका पर भी साधा निशाना

नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी तो झूठे वादे कर के चले जाते हैं और उनकी बहन कहीं भी महिला उत्पीड़न की घटना हो, तो दौड़ कर पहुंच जाती हैं। राजस्थान में जब महिलाओं के रेप और उनके मर्डर की घटनाएं होती हैं तो वे छुट्टियां मनाने रणथंभौर पहुंच जाती हैं। पिछले 54 महीने में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के लगभग 10 लाख मामले आए हैं। प्रदेश ह्यूमन ट्रैफिकिंग में सबसे आगे हैं।

मंदिर का पूछने वाले क्या जनवरी में आएंगे!

नड्डा ने कहा कि हमने जनता से धारा 370 को हटाने का वादा किया था। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह की जोड़ी ने इसे धराशायी किया। हमने देश की जनता से वादा किया था कि मंदिर वहीं बनाएंगे, जबकि हमारे विरोधी हम पर ताने मारते थे कि तारीख कब बताएंगे। अब हम बोल रहे हैं कि आप भी जनवरी में उद्घाटन में आप जरूर आएंगे। कांग्रेस के लोग महिला सशक्तीकरण को लेकर राजीव गांधी का गुणगान करते नहीं थकते, लेकिन हमें शाहबानो केस भी देखा कि किस तरह वह महिलाओं के अधिकार के खिलाफ खड़े थे। जनता ने हमें दिल्ली का टिकट दिया था तो जितना काम हो सकता था विकास के लिए, भाजपा ने किया। अब समय आ गया कि आप हमें अब राजस्थान का भी टिकट दे दीजिए।

सिक्किम में कुदरत का कहर: बादल फटा, बाढ़

11 की मौत, आर्मी के दो दर्जन जवानों समेत 120 लोग लापता

एजेंसी | गंगटोक

सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से तीस्ता नदी में बाढ़ आ गई। इस सैलाब में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। इसमें सेना के दो दर्जन जवानों समेत 120 लोग लापता बताए जा रहे हैं, उनकी तलाश जारी है। प्रशासन ने आसपास लोगों के सतर्क रहने का ऐलान कर दिया है। हादसे में घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। बादल फटने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग सिंगताम पहुंचे।

सेना के वाहन भी डूबे

गुवाहाटी में रक्षा PRO ने सुबह कहा था, 'सिक्किम के उत्तर में ल्होनक झील पर अचानक बाढ़ आ गई। चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हो गए। सेना के 23 जवानों के लापता होने और 41 गाड़ियों के कीचड़ में डूबे होने की खबर है।'

यह कहा मौसम विभाग ने

गंगटोक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, 'जब किसी छोटे क्षेत्र में लगभग एक घंटे में 100 मिमी से अधिक बारिश होती है, तो इसे बादल फटना कहा जाता है।" अधिकारियों ने कहा कि वे यह भी सत्यापित करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह बादल फटना था या पहाड़ों के ऊपरी हिस्से में हिमनद झील का फटना था, जिसके कारण नदी में जल स्तर अचानक बढ़ गया।'

एशियन गेम्स: 167 गोल्ड के साथ चीन टॉप पर, भारत 81 पदकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार

जैवलिन थ्रो में नीरज ने जीता गोल्ड

मेंस 400 मीटर रिले और आर्चरी मिक्स्ड टीम ने भी जीता सोना

एजेंसी | हांगझोउ

एशियन गेम्स के 11वें दिन बुधवार को भारत ने तीन गोल्ड और जीते। वर्ल्ड एंड ओलिंपिक जैवलिन थ्रो चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ ही मेंस 4X400 मीटर रिले रेस टीम और आर्चरी मिक्स्ड टीम ने गोल्ड दिलाया। रिले रेस और जैवलिन थ्रो की खास बात यह रही कि इनका सिल्वर मेडल भी भारत की झोली में आया। इन तीन गोल्ड के अलावा भारत ने 11वें दिन 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज समेत कुल 12 मेडल जीते। इन मेडल के साथ भारत के कुल मेडल 81 हो गए हैं। इनमें 18 गोल्ड, 31 सिल्वर और 32 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

जापान दूसरे और द.कोरिया तीसरे स्थान पर: एशियन गेम्स में चीन 310 मेडल के साथ टॉप पर है। जापान 36 गोल्ड के साथ दूसरे और द. कोरिया 33 स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर है।

एशियाड में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इन एशियन गेम्स में जीते 81 मेडल के साथ भारत ने एशियन गेम्स में अपने ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले, भारत ने पिछले एशियाड में 70 मेडल जीते थे। भारत 1951 में पहली बार हुए एशियाड से ही गेम्स का हिस्सा रहा है। तब नई दिल्ली ने ही मेजबानी की थी। भारत ने सभी 18 एशियाड में हिस्सा लिया।

गहलोत का मिशन-2030

विकास के लिए सीएम के नेतृत्व में हर प्रदेशवासी की भूमिका होगी तय

- ढाई करोड़ से अधिक प्रदेशवासियों के सुझावों वाला दस्तावेज पेश करेंगे सीएम
- राजधानी में आज आयोजित होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम
- झोटवाडा आरओबी का होगा लोकार्पण, राव शेखाजी के नाम पर होगी पुलिया

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश को लेकर तय किए गए मिशन को लेकर गुरुवार को विजन-2030 डॉक्यूमेंट जारी करेंगे। विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता लगने से पहले सीएम अपना विजन जनता के सामने रखेंगे। इसके लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'विजन-2030 दस्तावेज' जारी किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजस्थान विश्वविद्यालय के कॉमर्स कॉलेज ग्राउंड में दोपहर 2:30 बजे होगा। दस्तावेज में प्रत्येक प्रदेशवासी की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। राज्य स्तरीय समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों के लगभग 5 हजार हितधारक भाग लेंगे। साथ ही, प्रत्येक जिले से 500 हितधारक और प्रतिभागी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेंगे।

लोगों की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं भी शामिल

आयोजना विभाग के सचिव भवानी सिंह देथा ने बताया कि इस अभियान के तहत राज्य सरकार के विजन-2030 दस्तावेज में प्रदेश के प्रबुद्धजनों, विषय विशेषज्ञों, हितधारकों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों के सुझावों, उनकी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को सम्मिलित किया गया है। अब तक ढाई करोड़ से अधिक लोगों ने राजस्थान को भारत का सिरमौर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए हैं। गौरतलब है कि गहलोत ने मिशन-2030 के तहत संवाद के तहत हर जिले की यात्रा कर अपना विजन आमजन के समक्ष क्लियर कर चुके हैं।

झोटवाड़ा आरओबी का धारीवाल करेंगे वर्चुअली लोकार्पण

शहरवासियों के लिए 167 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित राव शेखाजी आरओबी झोटवाड़ा का वर्चुअल लोकार्पण गुरुवार को मंत्री शांति धारीवाल करेंगे। जेडीए आयुक्त डॉ.जोगा राम ने बताया कि राव शेखाजी आरओबी झोटवाड़ा का निर्माण पंचायत भवन से लेकर अम्बाबाड़ी तक किया गया है। झोटवाड़ा और आस पास के क्षेत्र में आवागमन के लिए उपलब्ध वर्तमान ब्रिज की चौड़ाई कम होने के कारण जाम की स्थिति बन जाती थी। इसलिए स्थानीय लोगों की मांग पर राव शेखाजी आरओबी झोटवाड़ा बनाया गया। इस परियोजना का शिलान्यास 2018 में हुआ था।

प्रभावितों को निवारू रोड पर दिए जा चुके हैं भूखंड

आयुक्त ने बताया कि नवीन आरओबी के निर्माण से लगभग 642 मकान/दुकान प्रभावित थीं, जिनके पुनर्वास के लिए निवारू रोड पर ज्योतिबा फुले रिटेल योजना सृजित कर भूखंड आवंटित किए गए और हाथौज करधनी विस्तार योजना में आवासीय भूखंडों का आवंटन किया गया। 83 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस पर 108.64 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। आरओबी के निर्माण पर लगभग 83.00 करोड़ रुपए और परियोजना में यूटीलिटी शिफ्टिंग, विद्युतीकरण, सर्विस रोड और ड्रेन सहित अन्य विकास कार्यों पर 25.64 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। वर्तमान में फेज-1 में निवारू टी-जंक्शन से अम्बाबाड़ी तक का कार्य पूर्ण हो चुका है।

जरूरी खबर

वोटर्स सम्मेलन में गिनाई मोदी की उपलब्धियां

टोंक। भाजपा का वोटर्स सम्मेलन निजी महाविद्यालय में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा एवं महामंत्री विष्णु शर्मा रहे। पराणा ने सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं के हाथ में देश की बागडोर है। युवा शक्ति देश की मूल्यवान संपदा है। जिला महामंत्री शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी विश्व स्तर पर कहते हैं कि कल भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा, क्योंकि हमारे पास सबसे अधिक युवा हैं और हम सब मिलकर देश का विकास करेंगे।

सीआईडी टीम ने 25 हजार के इमानी बदमाश को पकड़ा

ब्यावर। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम ने ब्यावर के थाना रायपुर में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को थाना माता का थान इलाके से डिटेन कर स्थानीय थाना पुलिस को सौंपा। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जीतू प्रजापत (25) विद्यानगर थाना माता का थान का रहने वाला है। आरोपी एनडीपीएस एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी पाली द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल महेंद्र कुमार, रामावतार, इंस्पेक्टर दयाराम चौधरी एवं कांस्टेबल लोकेश निर्माण की विशेष भूमिका रही।

पढ़ाई के तनाव में कॉलेज छात्रा ने की आत्महत्या

कोटा। शहर के रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में कॉलेज छात्रा ने अवसाद के चलते मौत को गले लगा लिया। रेलवे कॉलोनी थाना एएसआई ईश्वर सिंह ने बताया कि छात्रा ने घर पर ही आत्महत्या का प्रयास किया था, इसके बाद उसे एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना गणेशपुरा पार्वती कॉलोनी की है। 20 वर्षीय सजनी सैनी ने 1 अक्टूबर को आत्महत्या का प्रयास किया था। बुधवार को अस्पताल में उसने दम तौड़ दिया। पिता आनंदीलाल का कहना है छात्रा कुछ दिनों से पढ़ाई को लेकर तनाव में चल रही थी।

ट्रस्ट के नौ साल पूरे होने पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता ओर से किया गया था 'राठ युवा उमंग' का आयोजन

एल्विश पहुंचे कार्यक्रम में तो बेकाबू हुए फैंस, बरसाई लाठियां

बेधड़क | बहरोड़

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. शानू यादव की ओर से बुधवार को 'राठ युवा उमंग' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें बिग बॉस OTT-2 के विजेता एल्विश यादव को आमंत्रित किया गया था। जैसे ही एल्विश कार्यक्रम में पहुंचे तो उन्हें देखने के लिए फैंस की भीड़ बेकाबू हो गई।

इस दौरान कई लोग बैरिकेड्स तोड़ एल्विश की कार तक पहुंच गई और उन्हें घेर लिया। भीड़ को काबू करने के लिए बाउंसरों ने डंडे बरसाए। इस दौरान वहां भगदड़ मच गई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता की ओर से था कार्यक्रम भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. शानू यादव ने अपने ट्रस्ट के 9 साल पूरे होने पर 'राठ युवा उमंग' कार्यक्रम बहरोड़ कुंड रोड पर रखा था। लोगों को पता चला कि इसमें एल्विश यादव आ रहे हैं तो इन्हें देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी।

एल्विश को देखने के लिए बड़ी संख्या में कुंड रोड पर लोग आ गए थे। कार्यक्रम में वे 45 मिनट तक रहे। मंच पर एल्विश ने ऐलान किया कि उनकी तबीयत खराब है। वे ज्यादा बोल नहीं सकते। इसलिए उन्हें अब जल्दी निकलना पड़ेगा।

एल्विश निकलने लगे तो गेट पर जुटी भीड़

मंच से जैसे ही एल्विश ने कार्यक्रम से जाने की घोषणा की तो इतना सुनते ही भीड़ वीआईपी गेट की तरफ जा पहुंच गई। जैसे ही एल्विश इस गेट से निकले, यहां खड़ी भीड़ बैरिकेड्स तोड़ कर उनकी कार के पास पहुंच गई और एल्विश को घेर लिया। एल्विश के साथ गुरुग्राम और दिल्ली से आाए 10 से 12 बाउंसर ने फैंस को रुकने का इशारा भी किया, लेकिन भीड़ मानी नहीं। भीड़ को देखते हुए बाउंसर एल्विश की कार से नीचे उतरे और उन्होंने डंडे बरसाने शुरू कर दिए। इसके बाद मौके पर भगदड़ मच गई। बड़ी मुश्किल से एल्विश को वहां से निकाला गया।

अनुभव के साथ जीवन में धैर्य भी जरूरी

कार्यक्रम में एल्विश ने युवाओं को किसी भी कार्य को धैर्यता से करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मैं भी आप सभी के बीच से ही ऊपर उठा हूं। बस एक चीज मैंने अपनी जिंदगी में नोटिस की और जानी है। अपने अपने अनुभव के साथ जीवन में धैर्य जरूर रखें। आप चाहें आईएएस, आईपीएस बनें या सरकारी जॉब, जो भी कुछ करना है या बनना है, वो करें, लेकिन धैर्य के साथ करें। आप मेहनत करोगे और पेशेंस रखोगे तो जीवन में सफलता आपके कदम चूमेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपना एक गाना भी गाया और युवाओं की भीड़ के बीच पहुंचे।

खुद ट्रैक्टर चलाकर कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे पायलट ने कहा...

इस बार कांग्रेस जीतेगी पहले से ज्यादा सीटें, डर गई है BJP

बेधड़क | टोंक

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा है कि प्रदेश में तीसरे मोर्चे का कोई अस्तित्व नहीं है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला रहेगा। पायलट बुधवार को टोंक में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये बात कही। इससे पहले कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अलग अंदाज में एंट्री हुई। पायलट सवाई माधोपुर पुलिया के पास से खुद ट्रैक्टर चलाकर करीब चार सो मीटर दूर कांग्रेस नेता दिनेश चौरसिया के पेट्रोल पंप पहुंचे।

यहां लोगों ने एक दर्जन जेसीबी मशीन पर चढ़कर फूल बरसाते हुए जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस बार प्रदेश में कांग्रेस पहले से ज्यादा सीटें जीतेगी। राजस्थान में तीसरी पार्टी का अस्तित्व नहीं हैं। छोटे दल या अन्य प्रत्याशी भी चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस और भाजपा में ही मुख्य मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को डराया जा रहा है। मै उसकी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जो काम हुए हैं, उनसे आमजन को राहत मिली। सरकार की योजनाओं से आमजन खुश है, इससे भाजपा डर गई है। पायलट ने कहा कि पीएम ने पिछले 9 साल में कुछ नहीं किया, जबकि उनके पास पूर्ण बहुमत है। देश में अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जा रही है।

केन्द्र सरकार की ओर से राजस्थान की योजनाओं के लिए पैसा नहीं दिया जा रहा। टोंक में ट्रेन आने को लेकर कहा कि कांग्रेस की ओर से कोई कमी नहीं हैं। केंद्र सरकार इसमे आगे कुछ नहीं कर रही है। टिकट वितरण को लेकर पायलट ने कहा कि इसकी तैयारियां चल रही हैं। हमारे वॉब्जर्वर धरातल पर जीताऊ उम्मीदवार का चयन करने में जुटे हुए हैं। टोंक भाजपा प्रभारी सांसद रमेश विधूड़ी को लेकर पायलट ने कहा कि जनता के लिए जिसने अच्छा किया है जनता उसे अपना आशीर्वाद देगी।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरी प्रसाद बैरवा, नगर परिषद सभापति अली अहमद, पूर्व विधायक कमल लोदी, दिनेश, अलका बैरवा, हंसराज गाता, हंसराज फागना आदि मौजूद रहे।

सत्ता की चाबी जनता के पास

मीडिया से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में सचिन पायलट ने कहा कि सत्ता की चाबी किसी नेता के पास नहीं बल्कि जनता के पास होती है। जनता जिसे चाहती है उसे सत्ता में लाती है। युवाओं को आगे लाने पर पायलट ने कहा मैं युवाओं का पक्षदार हूं। राहुल गांधी भी कहते हैं युवाओं को जरूर मौका दिया जाएगा, लेकिन वे पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता हों।

प्रधानमंत्री मोदी बार-बार आ रहे हैं, लेकिन कर कुछ भी नहीं रहे

पायलट ने कहा कि पीएम बार-बार राजस्थान आ रहे हैं और कांग्रेस पर आरोप लगाने के सिवा कुछ नहीं कुछ कर नहीं रहे हैं। केन्द्र सरकार ने राजस्थान के लिए कोई विशेष दर्जा नहीं दिया है। बीजेपी मे आपस में खींचतान है। पायलट ने कहा कि बीजेपी का केंद्र नेतृत्व चुनावों को लेकर डर रहा है। उन्हे पता चल गया कि अब जन मानस की सोच मे परिवर्तन आ यह है। जैसे परिवर्तन हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में आया। इसके चलते भाजपा में डर का माहौल है।

एक दर्जन गांवों का किया दौरा

पायलट ने मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं भी सुनी। आमजन से संवाद के दौरान पायलट ने लोगों को आश्वस्त किया कि वे लोगों के सुख-दुख मे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। आमजन के लिए कांग्रेस ने अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं और आगे भी जनता के उत्थान को लेकर प्रयास जारी रहेंगे।

भीषण हादसे में 24 सवारियां घायल

ट्रक से टकराई बस, चालक-हेल्पर और एक यात्री की मौत

बेधड़क | भरतपुर

जिले में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात भीषण हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सवारियों से भरी एक स्लीपर कोच बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में बस चालक, हेल्पर व एक यात्री की मौत हो गई, वहीं 24 सवारियां घायल हो गई। दुर्घटना के बाद वहां से गुजर रहे राहगीर और स्थानीय लोग घायलों की मदद करने के लिए दौड़े और पुलिस को इसकी जानकारी दी।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि हादसा भरतपुर के चिकसाना इलाके में मंगलवार देर रात 2 बजे हुआ। हाईवे किनारे बरसो गांव के पास पत्थरों से भरा ट्रेलर खराब होने पर खड़ा था। जहां ट्रेलर खड़ा था, वहां अंधेरा काफी था। इसी दौरान झुंझुनूं से ग्वालियर जा रही स्लीपर कोच अंधेरा होने के कारण ट्रेलर से टकरा गई।

हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां समपुर, झुंझुनूं निवासी चालक कमलेश (40), उसके साथी महलों की ढाणी, झुंझुनूं निवासी विजेंद्र सिंह (40) और ग्वालियर निवासी बंटी (22) की मौत हो गई। वहीं राजापार्क जयपुर निवासी सुनील का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बस के आगे का हिस्सा बिखरा

हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर बिखर गया। हादसे के बाद ट्रेलर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे में घायल एक यात्री ने बताया कि घटना के दौरान वह सोया हुआ था। अचानक से जोर का धक्का लगा। इससे स्लीपर में सो रहे यात्री नीचे गिर गए। आगे वाली सवारियों के ज्यादा चोट लगी है।

मंत्री से मुलाकात नहीं होने पर सड़क पर धरने पर बैठ गए

केंद्र में ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर विश्नोई समाज ने केंद्रीय मंत्री का किया घेराव

बेधड़क | जोधपुर

केंद्र में ओबीसी आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर बिश्नोई समाज के लोगों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के घर का घेराव किया। समाज के लोग विरोध जताने सर्किट हाउस रोड अजीत कॉलोनी पहुंचे। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात नहीं होने पर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए हैं। वहीं समाज के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। संघर्ष समिति के सहीराम विश्नोई ने बताया कि समाज की ओर से 23 वर्षों से ओबीसी आरक्षण की मांग की जा रही है। सरकार ने अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। समाज की ओर से शांतिपूर्वक तरीके से अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय मंत्री से मिलने के लिए पहुंचे हैं। आरक्षण नहीं मिलने की वजह से समाज के युवाओं में रोष है। इधर, पुलिस ने शेखावत के घर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग की। इसके चलते समाज के लोगों ने रास्ता खुलवाने की बात को लेकर पुलिस से बहस भी हुई। सभी केंद्रीय मंत्री से मिलने की बात को लेकर अड़ गए।

गौरतलब है की समाज की और से केंद्र में ओबीसी आरक्षण देने की मांग को लेकर गांधी जयंती के अवसर पर खेजड़ली शहीदी स्थल से सद्भावना यात्रा भी निकाली गई। पीएम मोदी की रैली के बहिष्कार की चेतावनी भी दी गई।

गर्भवती होने अबॉर्शन की दवा देकर आरोपी हुआ फरार

अध्यापक ने सरकारी स्कूल के ऑफिस में किया छात्रा से रेप

बेधड़क | बाड़मेर

जिले में एक सरकारी अध्यापक ने स्कूल की छात्रा के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी को जब पीड़िता के गर्भवती होने का शक हुआ तो उसे अबॉर्शन की दवा देकर वह फरार हो गया।

इससे पहले परिजन छात्रा को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे तो उसके गर्भवती होने का पता चला। मामला जिले के धनाऊ थाना इलाके का है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र निवासी पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया है कि करीब दो महीने पहले वह थाना क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल से निकल रही थी। इस दौरान टीचर बालाराम ने उसे स्कूल के अंदर बुलाया, लेकिन उसने जाने से मना कर दिया।

इसके बाद भी टीचर बार-बार बुलाने लगा तो वह स्कूल के ऑफिस में गई। यहां टीचर ने उसके साथ दो बार दुष्कर्म किया। वहीं तीन दिन बाद अचानक पीड़िता की तबीयत बिगड़ने लगी। पेट दर्द होने पर परिजन उसे धनाऊ के ही एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। यहां डॉक्टर ने उसकी सोनोग्राफी करवाई तो वह गर्भवती निकली। इधर, हॉस्पिटल मैनेजमेंट को जब शक हुआ तो उन्होंने इसकी पुलिस को सूचना दी।

थानाधिकारी चेन प्रकाश ने बताया कि पीड़िता ने अपने बयान में पूरा घटनाक्रम बताया है। वहीं घटना के बाद से आरोपी टीचर फरार है। पुलिस ने उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो कांस्टेबल घायल

शराब तस्कर को पकड़ने गई पुलिस पर जानलेवा हमला

बेधड़क | धौलपुर

जिले के सैंपऊ थाना इलाके में अवैध शराब तस्करों की धर-पकड़ के लिए गई पुलिस पर आरोपियों के परिजनों ने हमला बोला दिया। इसके चलते दो कांस्टेबल घायल हो गए। इनमें से एक के सिर में चोट आई है तो दूसरे का हाथ फ्रैक्चर हो गया।

वहीं पुलिसकर्मियों ने हिम्मत दिखाते हुए मौके से भागते हुए आरोपियों को दबोच लिया। घटना के बाद सीओ बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में कंचनपुर कोलारी सहित स्थानीय पुलिस थाने की टीम ने दबिश देकर आरोपियों और उनके कई परिजनों को हिरासत में ले लिया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ राज्य कार्य में बाधा, हत्या के प्रयास सहित कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की ओर से बताया गया कि घटना सैंपऊ इलाके के गांव गढ़ी चटोला की है। बुधवार शाम को सहायक उपनिरीक्षक राजेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम कच्ची शराब की सूचना पर कार्रवाई करने के लिए आरोपी विकास बेड़िया के घर गई थी। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी हाथ में कच्ची शराब की कट्टी लेकर पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस ने पीछा करते हुए आरोपी को दबोच लिया।

पुलिसकर्मी छत पर पहुंचे तो लाठी से वार

घटना के दौरान भागते आरोपी को पकड़ने के लिए छत पर पहुंचे पुलिसकर्मी अमीर सिंह और श्रीनिवास पर आरोपी ने लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में पुलिसकर्मी अमीर सिंह का सिर फट गया। उसके सिर में चार टांके आए हैं। वहीं, हमले में श्रीनिवास के हाथ में डंडा लगने से हाथ फ्रैक्चर हो गया। फिलहाल, दोनों घायल पुलिसकर्मियों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

कई लोगों को हिरासत में लिया

घटना को लेकर सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया कि थाना इलाके के गांव बड़ी कटोल में शराब तस्करों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपियों के परिजनों की ओर से हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मौके से पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मीणा ने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

दुष्कर्म और हत्या के विरोध में अनशन, बिगड़ी तबीयत

बेधड़क | फतेहपुर

एक सप्ताह पूर्व विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सर्व धर्म समाज द्वारा कोतवाली थाने के समक्ष दिया जा रहा धरना बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। रात्रि से अनशन कर रहें दोनों युवकों रामचन्द्र सैनी और विक्रांत सैन की तबीयत बुधवार को बिगड़ जाने से उन्हें धानुका उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

संघर्ष समिति के जितेंद्र सिंह कारंगा, बजरंगसिंह शेखावत, अरविंद खोटिया आदि ने बताया कि इस प्रकरण में गुरुवार को फतेहपुर और रामगढ़ कस्बे के बंद का आह्वान किया गया है। फतेहपुर शहर एवं देहात व्यापार मंडल ने भी बंद का समर्थन किया है। संघर्ष समिति के लोगों ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ और मंडावा कस्बे को भी बंद रखा जाएगा।

इसको लेकर जनप्रतिनिधीयों और व्यापार मडंल के बीच वार्ता चल रही है। हरलालसिंह थेथलिया, नरोतम शर्मा, सुरेश टिड्डा सहित अनेक जनप्रतिनिधीयों ने शाम को बाजार में व्यापारियों से संपर्क कर उनका समर्थन मांगा। बुधवार को नरेंद्र सिंह चौहान, सुरेश टिड्डा, संदीप सिंह, एडवोकेट जितेंद्र सिंह सहित सैकड़ों लोग धरने पर बैठे।

जनाक्रोश... जयपुर बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले बड़ी चौपड़ पर सर्व समाज ने दिया महाधरना

सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ सड़क पर सर्वसमाज

विरोध में जनता का 'मुट्ठीबंद' प्रदर्शन

बेधड़क.जयपुर। *राजधानी के गंगापोल क्षेत्र में 29 अक्टूबर को हुई दुर्घटना को सांप्रदायिक रंग देने और असामाजिक तत्वों द्वारा चारदीवारी के बाजारों में लूटपाट के विरोध में जयपुर बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले बुधवार को बड़ी चौपड़ पर सर्व समाज ने महाधरना दिया। इस दौरान परकोटे सहित अन्य इलाकों में बाजार सुबह से ही बंद रहे। तेज धूप के बावजूद भी हजारों लोगों ने सड़क पर हनुमान चालीसा के पाठ किए और पुलिस की एकतरफा कार्रवाई के विरोध में नारे भी लगाए। हालांकि, ये धरना शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ, फिर भी किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे परकोटे में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। धरने में लोगों की भीड़ और जोश को देखकर एकबारगी पुलिस अधिकारियों के भी हाथ-पांव फूल गए, लेकिन दोपहर एक बजे जैसे ही धरना शांतिपूर्वक समाप्त हुआ तो पुलिस अधिकारियों ने चैन की सांस ली।*

नारों की तख्तियों के साथ निकले लोग घरों से

संतों की अगुवाई में आयोजित महाधरने में लोग सुबह से ही भगवा ध्वज और तिरंगा झंडा लहराते हुए बड़ी चौपड़ पर इकटठा होने लग गए। इस दौरान समूह में आ रहे लोग तुष्टिकरण बंद करो, आंतकियों को बाहर भगाओ, आवाज दो हम एक है, छोटीकाशी की पहचान सौहार्द, संस्कृति और नारी सम्मान जैसे नारों की तख्तियां हाथ में लेकर पंहुचे थे। कड़ी धूप में भी लोग भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारों ने माहौल में जोश बना रहे थे।

तुष्टिकरण को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस सरकार का पतन निश्चित

सांसद दीया कुमारी ने कहा कि सनातन विरोधी कांग्रेस सरकार का राज्य में पतन अब सुनिश्चित हो गया है। जयपुर शहर की सद्भावना को बिगाड़कर अराजकता और उपद्रव करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुरोहित जी का कटला सहित आसपास के क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों द्वारा की गई लूटपाट से प्रभावित व्यापारियों को मुआवजा दिया जाए। सनातन विरोधी कांग्रेस सरकार भेदभाव करके एक समुदाय विशेष के प्रति ही हमेशा उदार रहती है, जबकि अन्य मामलों में यह उदारता नजर नहीं आती। राज्य सरकार समुदाय विशेष के खास दिनों में पानी और बिजली की आपूर्ति आदि व्यवस्थाओं के लिए खास निर्देश जारी करती है।

सरकार के खिलाफ आक्रोश

फोटो: राजेश कुमावत

बाजार बंद

आयुक्त सहित आला अधिकारी रहे मौजूद

सर्व समाज के धरने को देखते हुए धरनास्थल पर क्यूआरटी, ईआरटी और आरएसी की तैनाती की गई थी। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए खुद पुलिस आयुक्त सहित पुलिस आयुक्तालय के आला अधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं, रामगंज की तरफ जाने वाले रास्ते में भी पुलिस ने भारी बेरिकेडिंग लगा रखी थी।

कट्टरपन बर्दाश्त नहीं

समाजसेवी हेमंत सेठिया ने कहा कि दूसरे शहरों और राज्यों से लोग आकर यहां का माहौल बिगाड़ रहे हैं। यहां सर से तन जुदा और खून का बदला खून का कट्टरपन सहन नहीं किया जाएगा। मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध लोग ऐसे लोगों को सही राह दिखाएं, उन्हें संस्कारित करें। किसी के बहकावे में आकर गुंडागर्दी पर उतारू नहीं हों।

लूटपाट करने वालों की हो शीघ्र गिरफ्तार

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि व्यापारी समाज कमजोर नहीं है। मुस्लीम समुदाय के समूहों में आपसी झगड़े के बाद दूसरे दिन पुरोहित जी के कटले और दड़ा बाजार को जबरन बंद करवाने, सामान फैंकने की घटना में लिप्त लोगों को गिरफ्तार कर सजा नहीं दी गई तो पूरे जयपुर को बंद किया जाएगा।

प्रदर्शन

बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर हो कार्रवाई

वहीं, परकोटे में हुए विरोध प्रदर्शन पर किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने कहा कि इस पूरे विरोध प्रदर्शन को भाजपा ने हाईजैक कर लिया। बीजेपी के सांसद, विधायक अपने-अपने इलाके से लोग लेकर आए। भाजपा ने इकबाल की मौत पर कुछ नहीं कहा, अपितु लोगों को भड़काने का काम कर रही है। जयपुर की आवाम बहुत समझदार है। बीजेपी ने जयपुर में जो माहौल बनाया वह निंदा योग्य है। प्रदर्शन के लिए जगह डिसाइड की गई है, भाजपा ने हाई कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद बिना अनुमति के प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए।

ये रहे मौजूद

धरने में राजसमंद सांसद दीया कुमारी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व विधायक कैलाश वर्मा, पार्षद कुसुम यादव, सर्व समाज हिंदू महासभा के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश भाड़ेवाला, देवनारायण गुर्जर, मनोज चांवरिया, सरदार जसवीर सिंह, रणजीत सिंह सोडाला, चंद्र प्रकाश खेतानी, प्रताप कालवी, सुनील तिवाड़ी सहित विभिन्न समाजों से जुड़े लोग शामिल हुए।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

मांगों को लेकर व्यापारी हड़ताल पर

अनिश्चितकाल के लिए चौपाटी 'बंद'

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा संचालित जयपुर चौपाटी मानसरोवर में प्रशासन की मनमानी के विरोध में व्यापारियों ने बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी।

व्यापारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती वे चौपाटी में दुकानें बंद रखेंगे। आवासन मंडल ने दो साल पहले करोड़ों रुपए खर्च कर जयपुर में दो चौपाटियां बनाई थीं, जिनका उद्देश्य जनता को एक ही

छत के नीचे लजीज व्यंजन और मनोरंजन उपलब्ध करवाना था। व्यापारियों ने बताया कि शुरुआत में बोर्ड ने जो सपने दिखा कर उन्हें यहां दुकानें दी थीं, वो अब उन पर खरा नहीं उतर रहा है। न तो उन्हें पहले की तरह साफ सफाई और मेंटेनेंस की सुविधा मिल रही है और ना ही वहां अब इवेंट्स हो रहे हैं।

मंडल के लिए चौपाटियां सिर्फ व्यवसायिक उपक्रम बन कर रह गई हैं। साथ ही मंडल उनसे नियम विरुद्ध बिजली के बिल और अन्य अधिक वसूली भी कर रहा है। वहीं, चौपाटी में दुकान नहीं खुलने से आने वाले लोग भी परेशान हो रहे हैं।

स्टूडेंट्स ने किया राज्यपाल मिश्र से संवाद

घाटी के बच्चों ने उद्यान से जाना संविधान

बेधड़क | जयपुर

भारत दर्शन यात्रा के तहत कश्मीर घाटी के 26 विद्यार्थियों ने बुधवार को राजभवन में संविधान उद्यान का भ्रमण किया। उन्होंने राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर संविधान निर्माण और उसे लागू किए जाने की यात्रा के विभिन्न चरणों पर संवाद भी किया। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि संविधान देश का सर्वोच्च विधान है। इसका आरंभ 'हम भारत के लोग' की उद्दात दृष्टि से होता है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता

से परिपूर्ण भारत की धरती सभी को मिलकर रहने की सीख देती है। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ कर्तव्यों की पालना के लिए भी सभी को सजग रहने का आह्वान किया। राज्यपाल ने मूल संविधान की प्रति में उकेरे गए चित्रों, संविधान की धाराओं, संविधान में समान नागरिक संहिता आदि के बारे में भी बच्चों को जानकारियां दी। सीमा क्षेत्र पर कार्यरत सेना की 21 वीं बटालियन के नजूद्दीन खान ने घाटी के बच्चों के राजस्थान भ्रमण की जानकारी दी। सीमा क्षेत्र पर कार्यरत सुरक्षाबलों द्वारा नागरिक क्रियान्वयन कार्यक्रम के तहत 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक श्रीनगर से जैसलमेर की यात्रा पर इन बच्चों को लाया गया है। शिक्षक हुमेरा शाहिद ने राजभवन में संविधान उद्यान को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि यह संविधान का साक्षात दर्शन है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

न्यूरो विभाग में शुरू हुए दो विंग

बच्चों की न्यूरो डिजीज का अब SMS अस्पताल में ही होगा इलाज

बेधड़क | जयपुर

सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में बुधवार को न्यूरो सर्जरी विभाग में दो नई स्पेशलिटी विंग की शुरुआत हुई। दो नई स्पेशलिटी क्लिनिक में पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी एवं एण्डो वैस्कुलर एंड सेरेब्रो वैस्कुलर न्यूरोसर्जरी शामिल है।

पेडियाट्रिक न्यूरो सर्जरी के अंतर्गत बच्चों के मस्तिष्क और रीड की हड्डी के विकारों का उपचार किया जाता है। इस विशेषज्ञता में जन्मजात विकृतियां, चोट, संक्रमण और ट्यूमर का इलाज शामिल है। वहीं , एण्डो वैस्कुलर न्यूरो सर्जरी में मस्तिष्क एवं रीड की हड्डी की खून की नसों में होने वाले विकार खून की नसों गुच्छा होना एवं खून की नसों

में असामान्य फुलाव आदि का बिना चीराफाड़ी के इलाज किया जाता है। इन विंग के शुरू होने से छोटे और जन्मजात बच्चे, जिनको न्यूरो संबंधी बीमारी है, उनको इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। सवाईमानसिहं अस्पताल में ही उनका इलाज हो सकेगा। इसके लिए एसएमएस में बुधवार और शनिवार को ओपीडी लगेगी।

जेके लॉन जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, न्यूरो सर्जरी, हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा, न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. अशोक गुप्ता, न्यूरोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा समेत अन्य डॉक्टरों ने इस विंग का शुभारंभ किया। न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉक्टर अशोक गुप्ता ने बताया कि नई स्पेशलिटी शुरू होने से अब बच्चों को इलाज के लिए जेके लोन हॉस्पिटल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्रदेश में रेबीज उन्मूलन के लिए स्टेट एक्शन प्लान लॉन्च

प्रदेश में वर्ष 2030 तक रेबीज उन्मूलन को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने बुधवार को शासन सचिवालय में स्टेट एक्शन प्लान लॉन्च किया। सिंह ने बताया कि राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, नगर निगम एवं तकनीकी पार्टनर संस्थान पाथ के सहयोग से यह प्लान तैयार किया है। इस दौरान मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, संयुक्त शासन सचिव निमिषा गुप्ता, निदेशक जन-स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. लोकेश चतुर्वेदी, पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. भवानी सिंह शेखावत, अति. निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, एसएनओ डॉ. एम.एल. सालोदिया, डॉ. महेश शर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी नगर निगम-हेरिटेज, जयपुर सहित अन्य अधिकारीगण एवं पाथ संस्थान के डॉ. टिकेश बिशेन भी मौजूद थे।

पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव योजना की लॉटरी आज

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव योजना (नायला) में 767 भूखण्डों के लिए गुरुवार को लॉटरी निकाली जाएगी। जेडीए आयुक्त डॉ. जोगाराम ने बताया कि पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव योजना में एक अक्टूबर से तीन अक्टूबर तक आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किए गए थे। योजना में कुल आवेदन 1109 प्राप्त हुए हैं। परीक्षण के बाद लॉटरी गुरुवार को निकाली जाएगी। पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव योजना (नायला) के लगभग 767 भूखण्डों का आवंटन योजना की वर्तमान आरक्षित दर 12 हजार प्रति वर्ग मीटर के 30 प्रतिशत पर किया जाएगा। कॉर्नर भूखण्डों का आवंटन भी लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा, इसके लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त राशि देय होगी।

जातिगत जनगणना के परिणाम

जनगणना का दस्तावेजी सत्यापन

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

आखिरकार बिहार में हुई जातीय जनगणना के आंकड़े मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने सार्वजनिक कर दिए। इन आंकड़ों से अंततः अनुमान वहीं निकला, जिसका अंदाजा पूर्व में लगाया जाता रहा है। इसलिए इसका कोई खास अर्थ निकलने की बजाय चुनाव में जातीय राजनीति और नौकरियों में 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की तर्ज पर मांग उठने से ज्यादा नहीं है। हालांकि इस गणना के आंकड़े आने से पहले ही ज्यादातर प्रदेशों में आरक्षण 75 प्रतिशत से ऊपर हो चुका है। बिहार में अति पिछड़ा वर्ग 27.12 और अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36.01 प्रतिशत है, जो कुल आबादी का 63 फीसदी बैठता है।

इसके अलावा अन्य जातियों में अनुसूचित जातियों की संख्या 19.65 और अनुसूचित जनजाति की 1.68 प्रतिशत है। सर्वर्णों का प्रतिशत 15.52 प्रतिशत है। चूंकि ये अनुमान पहले से ही थे, इसलिए इसे हम बिहार में जातीय जनगणना का महज दस्तावेजीकरण कह सकते हैं। राज्य की कुल 13 करोड़ सात लाख आबादी में से 81.99 प्रतिशत हिंदू एवं 17.7 प्रतिशत मुस्लिम हैं। बिहार की राजनीति एवं प्रशासनिक व्यवस्था में देखा जाए तो अब तक यादवों का दबदबा रहा है। अब इस गिनती में जो अति-पिछड़ी जातियों का 36 प्रतिशत आंकड़ा आया है, उसकी भागीदारी का बड़ा सवाल खड़ा होगा। इस सामाजिक न्याय के लिए ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से अधिक करने की मांग देशव्यापी उठ सकती है।

देश में 1931 के बाद पहली बार जातिगत गणना के आंकड़े सामने आए हैं। इस गिनती में भी लगभग जातियों के प्रतिशत का यही अनुमान था। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के 33 साल बाद जातीय राजनीति का नया अध्याय शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना समेत पांच राज्यों में विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आए आंकड़ों में ओबीसी आरक्षण को लेकर नए सिरे से मांग उठ सकती है। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दल इस गिनती को राजनीति का नया हथियार बनाकर चुनाव इस मुद्दे पर केंद्रीत करने की कोशिश में रहेंगे। अभी अनुसूचित जाति को 15, अनुसूचित जनजाति को 7.5, ओबीसी को 27 प्रतिशत समेत कुल 49.5 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान है।

शीर्ष न्यायालय ने आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय की हुई है। बावजूद कई राज्यों ने यह प्रतिशत सीमा लांघ दी है। इसलिए अच्छा होता इस गिनती में जाति के साथ-साथ आर्थिक व शैक्षिक आंकड़े भी जुटाए गए होते, क्योंकि अगड़े पिछड़ों में जो अति पिछड़े है, उनमें से कई जातीय समूहों की हालत अत्यंत दयनीय है। शायद इसीलिए 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को केंद्र सरकार मुफ्त में आनाज दे रही है। यह आंकड़ा लगभग उतना ही है, जितना आरक्षित जातियों का प्रतिशत बिहार की गिनती में आया है। तय है, भविष्य में यदि केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना नहीं कराई तो जिन राज्यों में विपक्षी दल सत्तारूढ़ हैं, वे जनगणना कराना शुरू कर देंगे। ओडिशा सरकार ने इसी साल 1 मई को 208 पिछड़ी जातियों के लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का पहला सर्वेक्षण शुरू भी कर दिया है। यह तथ्य अपनी जगह ठीक हो सकता है कि जाति, शिक्षा और आर्थिक आधार पर एकत्रित आंकड़े जनकल्याणकारी योजनाओं को अमल करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जातिगत आरक्षण का प्रतिशत भविष्य में बढ़ाया जा सकता है? नीतियां बनाने में भी जातीय गिनती की रिपोर्ट को अमल में लाया जा सकता है, लेकिन आरक्षण को लेकर समाज में जो दुविधाएं और कुंठाएं पनप रही हैं, वहीं परिणति जाति आधारित गणना में भी देखने को मिल सकती है क्योंकि आरक्षण का आधार तो जाति आधारित गिनती ही है। देश के सभी राजनितिक दल जातीय समीकरण के आधार पर ही चुनाव में टिकट बांटते हैं। सपा, बसपा, जनता दल, जदयू जाति आधारित और असदुद्धीन ओवैसी का दल एआईएमआईएम संप्रदाय आधारित है। इस लिहाज से यह कहना गलत नहीं लगता कि जातीय गिनती से समाज की संरचना दूषित होगी। वर्तमान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती जातीय आधार पर ही होती है, फिर भी जातीय ताना-बाना अपनी जगह बदस्तूर है।

नीतीश कुमार ने तो अति-पिछड़ी और अति-दलित जातियों के विभाजन के आधार पर ही जदयू का वजूद कायम किया हुआ है। भाजपा अब इसमें सेंध लगा रही है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में पिछड़ों का ही वर्चस्व है। स्वयं मोदी इसी वर्ग से आते हैं। इसी वर्ग के एचडी देवगौड़ा भी प्रधानमंत्री रह चुके हैं। नब्बे के दशक में वीपी सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की थीं, तब से जातीय गणना की मांग तीव्रता से उठती रही है। बिहार समेत अन्य प्रांतों से यह मांग भिन्न विचारधारा वाले राजनीतिक दल उठाते रहे हैं। दरअसल मंडल के बाद मुलायम सिंह, लालू प्रसाद, शरद यादव और नीतिश कुमार ने इस राजनीति को धार दी। इसी का परिणाम निकला कि उत्तर-प्रदेश और बिहार में यह राजनीति कांग्रेस को बेदखल करके उत्कर्ष के चरम पर पहुंची। डॉ. राममनोहर लोहिया की समाजवादी वैचारिकता से उदय हुई इस राजनीति का नारा है कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' हालांकि इन्हीं मांगों के चलते 2011 की जनगणना के साथ अलग से एक प्रारूप पर सामाजिक, आर्थिक और जाति आधारित जनगणना की गई थी। किंतु मूल जनगणना के साथ की गई इस गिनती के आंकड़े न तो मनमोहन सिंह सरकार ने उजागार किए और न ही नरेंद्र मोदी सरकार ने? इस तरह की गणना की मांग करने वाले नेताओं का कहना है कि इसके निष्कर्ष से निकले आंकड़ों के आधार पर जिन जातियों की जितनी संख्या है, उस आधार पर कल्याणकारी योजनाओं के साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिले? लेकिन यदि हमारे नीति-नियंताओं में जरा भी दूरदृष्टि है तो पहले, इस विषय पर एक राष्ट्रीय विमर्श कराएं और फिर इससे निकले निष्कर्ष पर अमल करें। दरअसल जातिगत जनगणना एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें सतह पर तो खूबियां दिखाई देती हैं, लेकिन अनेक डरावनी आशंकाएं भी इसके गर्भ में छिपी हैं। बहरहाल आनन-फानन में ऐसे गंभीर मुद्दे पर कोई आसान निर्णय भविष्य में कठिन साबित हो सकता है? हालांकि भारत में 1931 की जातिगत जनगणना के आधार पर यह अनुमान लगाया गया था कि पिछड़े वर्ग की आबादी 52 फीसदी है, जिसे इस गणना के पैरोकार 60 फीसदी तक मानते हैं। 2011 में जिलेवार जातियों का नमूने के आधार पर पिछड़ेपन का आकलन किया गया था, लेकिन इसके नतीजे विसंगतिपूर्ण देखने में आए। निष्कर्षतः कोई जाति एक जिले या एक प्रांत में पिछड़ी थी, तो वहीं जाति दूसरे प्रांत में समाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप में सक्षम व संपन्न थी। राजस्थान में मीणा समुदाय, जहां समर्थ है, वहीं मध्य-प्रदेश में पिछड़ा है। इस कारण मध्य-प्रदेश में यह जाति आरक्षण के दायरे में आती है। साफ है, जातिगत गणना के परिणामों को संख्याबल के आधार पर आरक्षण दिया जाता है तो समाज में विशमता के साथ कटुता भी उत्पन्न होगी। जातिगत आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। लेकिन आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सकता? क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और अब ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। निजी क्षेत्र में भी आरक्षण देने की मांग की जा रही है। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती, तब तक पिछड़ी या निम्न जाति अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता।

एक समय आरक्षण का सामाजिक न्याय से वास्ता जरूर था, लेकिन सभी जाति व वर्गों के लोगों द्वारा शिक्षा हासिल कर लेने के बाद जिस तरह से देश में शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी हो गई है, उसका कारगर उपाय आरक्षण जैसे चूक गए औजार से संभव नहीं है? लिहाजा सत्तारूढ़ दल अब सामाजिक न्याय से जुड़े सवालों के समाधान आरक्षण के हथियार से खोजने की बजाय रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर निकालेंगे तो बेहतर होगा? यदि वोट की राजनीति से परे अब तक दिए गए आरक्षण के लाभ का ईमानदारी से मूल्यांकन किया जाए तो साबित हो जाएगा कि यह लाभ जिन जातियों को मिला है, उनका समग्र तो क्या आंशिक कायाकल्प भी नहीं हो पाया?

भूमंडलीकरण के दौर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उन्हें हासिल करना इसलिए और कठिन हो गया है, क्योंकि अब इन्हें केवल पूंजी और अंग्रेजी शिक्षा से ही हासिल किया जा सकता है? ऐसे में आरक्षण लाभ के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अर्थाभाव में जरूरी योग्यता और अंग्रेजी ज्ञान हासिल न कर पाने के कारण हाशिये पर उपेक्षित पड़े हैं। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे लोग बटोरे लिए जा रहे हैं, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक व शैक्षिक हैसियत हासिल कर चुके हैं। अतएव बिहार के इन जातिगत आंकड़ों का इस्तेमाल ओबीसी आरक्षण का दायरा बढ़ाने तक सीमित रहता है तो उसे सामाजिक न्याय का पर्याय नहीं माना जा सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> *शीर्ष न्यायालय ने आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय की हुई है। बावजूद कई राज्यों ने यह प्रतिशत सीमा लांघ दी है। इसलिए अच्छा होता इस गिनती में जाति के साथ-साथ आर्थिक व शैक्षिक आंकड़े भी जुटाए गए होते, क्योंकि अगड़े पिछड़ों में जो अति पिछड़े हैं, उनमें से कई जातीय समूहों की हालत अत्यंत दयनीय है। शायद इसीलिए 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को केंद्र सरकार मुफ्त में आनाज दे रही है। यह आंकड़ा लगभग उतना ही है, जितना आरक्षित जातियों का प्रतिशत बिहार की गिनती में आया है। तय है भविष्य में यदि केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना नहीं कराई तो जिन राज्यों में विपक्षी दल सत्तारूढ़ हैं, वे जनगणना कराना शुरू कर देंगे। ओडिशा सरकार ने इसी साल 1 मई को 208 पिछड़ी जातियों के लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का पहला सर्वेक्षण शुरू भी कर दिया है।*

> ***भूमंडलीकरण के दौर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उन्हें हासिल करना इसलिए और कठिन हो गया है, क्योंकि अब इन्हें केवल पूंजी और अंग्रेजी शिक्षा ही हासिल किया जा सकता है?***

व्यंग्य

चौपटलाल जी क्रेडिट कार्ड नहीं लेंगे...

महेश कुमार केशरी
व्यंग्यकार

चौपट लाल जी ने जो अपने आप को दुःखी होने का कारण बताया वो कुछ इस प्रकार है। आपकी सुविधा के लिए ये बता दूं कि चौपटलाल जी अपनी पत्नी जी से दुःखी हैं। प्रायः हर किस्म की पत्नियों के बेवजह में ही नाराज होने की आदत होती है। उसी प्रकार पत्नियों का नाराज होना एक आम बात है। जैसे आपकी छींक निकली। और इधर पत्नी जी नाराज हो गईं। इधर बारिश हुई या वसंत आया कि पत्नीजी नाराज हो गईं। दरअसल इनका दिमाग जो होता है वो शुतुरमुर्ग के अंडे की तरह होता है। यानी दिमाग पसेरी भर का होता है। लेकिन उसमें अक्ल दस ग्राम की भी नहीं होती। खैर, उनकी पत्नी जी के रूठने की जो वजह थी, वो, फर्नीचर को लेकर थी। कहीं घूमने-फिरने को ना लेकर जाने की वजह से थी। जैसा कि अक्सर सब महिलाओं के साथ होता है। आभूषण प्रेम को लेकर थी। एक दिन चौपटलालजी बॉलकनी में बैठे हुए थे, तभी उनकी पत्नी नमूदार हुईं। बोलीं हमारे दिल्ली वाले भाईयों को देखो। उन्होंने घर को कितना सजाया- संवारा हुआ है। उनकी बीवियां सोने के नेकलेस और गहनों से लदी हुईं हैं। वो, हर साल बाहर घूमने जाते हैं। दरअसल जब से फोन आया है। खासकर व्हाटसएप और मैसेंजर, तब से चौपट लाल जी सरीखे लोगों की लगी पड़ी है। उनकी सालियों और सरहजों ने उनका जीना हराम कर रखा है। अपने घर की साज-सज्जा, ज्वेलरी, ट्रिप प्लानिंग के प्लान और उसके टिकटों की फोटो, वो चौपटलालजी की पत्नी को भेजती रहतीं हैं और चौपटलालजी की मुसीबतें बढ़ाती रहतीं हैं।

फोन के जरिए वो चौपटलालजी की पत्नी और अपने संबंधियों को जब तक दिखा ना लें, तब तक उनके पेट का भात हजम नहीं होता और चौपटलालजी की पत्नी खून का घूंट पीकर बस रह भर जातीं हैं, लेकिन उस दिन चौपटलालजी की पत्नी आर- पार के मूड में थीं। बोलीं- तुम मुझे बाहर घुमाने क्यों नहीं ले जाते? घर में फर्नीचर नहीं है। कब खरीद रहे हो? मुझे भी नेकलेस और ज्वेलरी चाहिए। कब लाकर दे रहो हो? चौपटलालजी ने पत्नीजी को समझाया। प्रिये- फर्नीचर रखने के लिए हमारा ये भाड़े का घर बहुत छोटा है। इतने छोटे से घर में हम भला फर्नीचर कहां रखेंगे? नेकलेस की बात मत करो, क्योंकि आजकल चेन स्नेचरों को खाने के वादे हैं। इसलिए झपटमारों की संख्या बढ़ गई है। पत्नीजी तब भी नहीं मानीं, तो चौपटलालजी का धैर्य भी चूक गया। बोले तुम्हें पता है घर कितनी मुश्किल से चल रहा है? इस महंगाई में घर चलाना ही मुश्किल जान पड़ रहा है। और तुम्हें नेकलेस की पड़ी है। पत्नी जी बड़बड़ाई। महंगाई नहीं बढ़ी है, बल्कि रूपया गिर रहा है। ये अजीब तरह की बात थी, जिसे केवल सत्ता पक्ष बोल रहा था। महंगाई सरकार को समझ नहीं आ रही थी, क्योंकि सरकार बाल बच्चों विहीन थीं लेकिन श्रीमती जी ऐसे बोल रहीं थीं। जैसे अर्थशास्त्री हों। उनके हिसाब से क्रेडिट कार्ड से फर्नीचर खरीद लेना चाहिए। गहने खरीद लेना चाहिए। चौपटलाल जी ने क्रेडिट कार्ड को एक बीमारी बताया। कहा ये जो बैंक बिक रहे हैं और बैंकों का पैसा जो डूब रहा है उसको बचाने की मुहिम की शुरुआत हमें अपने घर से ही करनी चाहिए, इसलिए उधार नहीं लेना है। तब से दोनों में बोलचाल बंद है!

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
लक्ष्मी, वंदना, पूजा जैसी कर्नाटक की लाखों महिलाएं कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना की मुफ्त बस यात्रा से सशक्त और खुश महसूस कर रही हैं।

वसुंधरा राजे, पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान
@VasundharaBJP
बाड़मेर-जैसलमेर में मिला प्यार और आशीर्वाद हमेशा की तरह अतुलनीय है। मेरे राजस्थान परिवार की तासीर भी यही है, जहां मैं केर की छाया में बैठकर अपनों से अपनी बात कर सकती हूं। उनके दिल की बात सुन सकती हूं।

दीया कुमारी, बीजेपी सांसद, राजस्थान
@KumariDiya
राजस्थान की कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वोट बैंक के लिए यह सरकार समुदाय विशेष का ध्यान रखने में इतनी अंधी हो चुकी है कि इसे किसी और का दुःख-दर्द नहीं दिखाई दे रहा है।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
कल जो हुआ, उसे आप बदल नहीं सकते। आज क्या हो रहा है, आप सिर्फ अनुभव ही कर सकते हैं, कल क्या है, तुम्हें बनाना होगा।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
जीवन कुछ दुखद और कठिन परिस्थितियां भी ला सकता है जिनका सामना करना बेहद मुश्किल हो सकता है। ऐसे मामलों में, क्लिप में यह साहस्य कृत्रिम रूप से हम पर या दूसरों पर नहीं थोपा जाना चाहिए।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
विफलताएं सीमित हैं, उन्हें स्वीकार करना चाहिए, लेकिन आशाएं अनंत हैं, जो हमें कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

नॉलेज कॉर्नर: बेघर होने के संकट के दौरान अस्तित्व में आया टेंट

शौक से 'तंबू' में रहना करते हैं पसंद

तंबू लगाकर रहना आजकल कैंपिंग का एक हिस्सा बन गया है। लोग बड़े शौक से अपने घर से मीलों दूर बाइक या अन्य परिवहन के साधनों से घूमने जाते हैं। इस दौरान वे गेस्ट हाऊस या होटल में ठहरने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से तंबू गाड़कर रहना ट्रेंड में आ गया है। पहाड़ों पर सफर करते समय लोग जमीन पर तंबू गाड़कर अपना घर बनाते हैं और वहां रहना पसंद करते हैं। खासतौर पर ट्रेकिंग के दौरान इसका सहारा लिया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस तंबू को आज बेहद रोचक समझा जाता है, उसका इतिहास क्या है। इसकी शुरुआत कब हुई तथा किस परिपेक्ष्य में हुई। तंबू के बारे में अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

एक प्रकार का पोर्टेबल घर

तंबू या टेंट को एक प्रकार का पोर्टेबल घर कहा जा सकता है, जिसे कहीं भी कभी भी ले जाया जा सकता है। यह एक आश्रय है जिसमें कपड़े या अन्य सामग्री से बने चादरनुमा कपड़े को काम में लिया जाता है। इसे खंभों के फ्रेम या सहायक रस्सी से जोड़कर बनाया जाता है। इसमें दो लोगों से लेकर बीस-पच्चीस लोगों के ठहरने का इंतजाम किया जा सकता है। छोटे तंबू स्वतंत्र रूप से खड़े किए जा सकता है, लेकिन बड़े तंबूओं को खंभों या खूंटियों के माध्यम से रस्सियों द्वारा टिकाया जाता है। इस प्रकार का घर खानाबदोशों के

लिए सदैव पोर्टेबल घरों के रूप में काम में लिया गया है। हालांकि वर्तमान समय में तंबू मनोरंजक शिविर और अस्थायी आश्रयों के रूप में उपयोग में लिया जा रहा है। तंबू शंकू के आकार का एक घर होता है जिसमें एक व्यक्ति के सोने के लिए पर्याप्त जगह होती है। इसमें हजारों लोगों के बैठने की भी क्षमता होती है। सर्कस का तंबू इसका एक उदाहरण है।

ले जाने में आसान

विशाल तंबू भी आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाए जा सकते हैं। पर्यटन के दौरान दो प्रकार के टेंट काम में लिए जाते हैं। एक वे जिन्हें हल्के व कम वजन के होने के कारण बैकपैकर्स द्वारा आसानी से ले जाया जा सकता है। दूसरे वे जिन्हें बड़े और भारी आकार के होने के कारण कार या अन्य बड़े वाहनों में ले जाया जाता है। इन्हें बहुत कम समय में घर में तब्दील किया जा सकता है। प्राचीन समय में अमेरिकी जनजातियों, भारत के आदिवासियों तथा कनाडा के लोगों द्वारा तंबी का उपयोग किया जाता था। टेंटों का उपयोग मुसाफिरों, शिविर में रहने वाले लोगों, सैनिकों और आपदा पीड़ितों के लिए एक घर के रूप में बेहतर विकल्प है।

टेंट का इतिहास

पिछले दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और अन्य कई देशों में टेंट को लोगों ने बेघर होने के बाद काम में लिया। इसका इतिहास दस हजार से चार हजार वर्ष ईसा पूर्व का है। रोमन सेना द्वारा चमड़े के तंबू का उपयोग किया गया। कहा जाता है कि इनका उपयोग लौह युग से ही किया जाता रहा है।

कंटेंट: सुप्रिया सरकार

चुनावी पोळ

घणा मान पधारो भूपजी
ळूण ळूण करां जुहार,
ईआरसीपी की सौगात द्यो,
सातूं दिन त्योहार ।।

■ गजानन

सीधे फील्ड से

टोंक जिले की चार में से तीन सीट अभी कांग्रेस के पास

कांग्रेस के गढ़ पर ओवैसी की नजर पायलट का भविष्य भी दांव पर

■ टोंक से भूपेन्द्र सिंह की रिपोर्ट

बेधड़क | टोंक

टोंक जिले का बीसलपुर बांध अपने पानी से जयपुर और अजमेर के लाखों लोगों की प्यास बुझाता है। इस जिले में कहने को केवल चार विधानसभा सीटें हैं लेकिन मुख्य सीट टोंक के चलते यह प्रदेश की राजनीति का हॉट स्पॉट है। वजह है, टोंक सीट से लड़ने वाले सचिन पायलट। पिछले विधानसभा चुनाव में तत्कालीन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पायलट ने इस विधानसभा सीट से भाजपा के तत्कालीन मंत्री यूनुस खान को 54 हजार वोट से हराया था।

मजे की बात ये थी कि यह सीट मुस्लिम बहुल है, इसके बावजूद उन्होंने मुस्लिम प्रत्याशी के खिलाफ इतनी बड़ी जीत हासिल की थी। इसके बाद पायलट प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने और बाद का सारा प्रकरण जग जाहिर है। जिले की चार विधानसभा सीटों में से तीन पर कांग्रेस के विधायक हैं। इस चुनाव की बात करें तो भाजपा ने बीएसपी सांसद दानिश अली पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले सांसद रमेश बिधूड़ी को जिले का प्रभारी बनाकर स्पष्ट संदेश दे दिया है। दूसरी ओर एआईएमआईएम भी जिले के चुनावों में खासी सक्रिय है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन

ओवैसी इस सीट के मुस्लिम मतदाताओं के भरोसे प्रदेश में अपनी मौजूदगी बनाना चाहते हैं। ऐसे में ये जिला इस विधानसभा चुनाव में प्रदेश में अहम रहेगा यह तय है।

हॉट सीट पर मुद्दे भी हैं हॉट

सचिन पायलट के विधायक बनने के बाद टोंक की जनता में उम्मीदें जगी थी। अच्छी शिक्षा व अच्छे रोजगार के साधनों की इच्छा लेकर टोंक की जनता ने सचिन पायलट विधायक को वोट दिया था और बड़े अंतर से जिताया था। लेकिन जितना विकास इस क्षेत्र का होना चाहिए था उतना हो नहीं पाया। शायद सचिन पायलट की प्रदेश स्तर पर व्यस्तता इसके पीछे रही। यहां बेरोजगारी, चिकित्सा व शिक्षा का कमजोर स्तर प्रमुख मुद्दे रहेंगे। टोंक में लगभग 2 लाख 47 हजार वोटर हैं। इनमें 55 हजार से अिधक मुस्लिम व 28 हजार से अधिक गुर्जर मतदाता निर्णायक रहते हैं। मुस्लिमों के साथ दलितों का केंद्रीकरण कांग्रेस के फेवर में रहता है लेकिन सांप्रदायिक कारणों से इस सीट के समीकरण बदल सकते हैं। बीजेपी बिधूड़ी के माध्यम से गुर्जरों को साधकर पायलट के किले में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। ओवैसी की पार्टी से भी कोई बड़ा चेहरा उतर सकता है।

भाजपा का गढ़, कांग्रेस के लिए चुनौती है मालपुरा

जिले में मालपुरा सीट पिछले 15 सालों से कांग्रेस के लिए चुनौती साबित हुई है। वर्तमान में भाजपा के कन्हैयालाल चौधरी विधायक हैं जो दो कार्यकालों से जीत रहे हैं। उन्होंने गत चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के रणवीर पहलवान को 29 हजार वोटों से हराया था। जातिगत समीकरणों की बात करें तो इस विधानसभा सीट पर जाट बाहुल्य है। लगातार सांप्रदायिक तनाव होने से इस विधानसभा सीट में सबसे बड़ा मुद्दा सांप्रदायिक तनाव रोकने का बना हुआ है। पिछले डेढ़ वर्ष से मालपुरा को जिला बनाने की मांग चल रही है। कई वर्षों से टोरडी सागर बांध में बीसलपुर का ओवरफ्लो पानी डालने की लगातार किसान मांग कर रहे हैं। अस्पताल में ट्रॉमा अस्पताल खोलने तथा औद्योगिक क्षेत्र बढ़ाने की लगातार मांग की जा रही है।

अवैध बजरी खनन बड़ा मुद्दा

टोंक विधानसभा की सबसे बड़ी सीट माने जाने वाली देवली-उनियारा में कांग्रेस के विधायक हरिश्चंद्र मीणा ने राजेंद्र गुर्जर को लगभग 25 हजार वोटों से हराया था। ऐसा कहा जाता है कि जिस पार्टी का विधायक यहां से चुना जाता है उसी पार्टी की सरकार सत्ता में आती है। यहां के सबसे बड़े मुद्दे औद्योगिक क्षेत्र न होना, बेरोजगारी, जिला बनाने की मांग व अवैध बजरी खनन हैं। यहां पर 40 हजार मीणा वोटर, 36 हजार गुर्जर वोटर व 28 हजार जाट वोटर हैं।

गुर्जरों पर दारोमदार

निवाई विधानसभा सीट एससी के लिए आरक्षित है। इस सीट पर कांग्रेस के प्रशांत बैरवा विधायक हैं। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी रामसहाय वर्मा को हराया था। इस सीट पर गुर्जर व एससी वर्ग का बाहुल्य है। शुरू में पायलट गुट के विधायक बैरवा बाद में पायलट से दूरी बना गहलोत खेमे में चले गए थे, जिसके बाद गुर्जर वोटर इनसे नाराज हैं। इस सीट पर बेरोजगारी, बजरी खनन सबसे बड़े मुद्दे हैं। देवनारायण भगवान मंदिर का विकास नहीं होना भी गुर्जर वोटरों की नाराजगी का कारण बन रहा है।

बिहाइंड द कर्टेन

सूची लीक, तो अनुशासन मामले में पार्टी वीक

अनुशासित मानी जाने वाली फूल वाली पार्टी में टिकटों वाला पर्चा लीक हो गया। दिल्ली दरबार में हुई चर्चा के लब्बोलुआब को फिलहाल बाहर लाने पर सबसे बड़े भाई साहब की रोक थी। इसके बाद भी चुनावी लॉटरी में नाम निकलने की भनक भाई लोगों को मिल गई। कइयों के मन में लड्डू फूट गए तो कइयों ने तो लड्डू बांट भी दिए। सोशल मीडिया पर पोस्टर तक लग गए। दिल्ली दरबार से खोजबीन शुरु हुई तो पता चला प्रदेश के भाई लोगों की करतूत है। इधर दिल्ली दरबार में बैठक खत्म हुई और उधर भाई लोगों के फोन घनघना दिए। खोजी जासूसों ने यह भी बताया कि मामला श्रेय की राजनीति का था। कौन बनेगा मुख्यमंत्री यह कॉन्टेस्ट फिलहाल होना अभी बाकी है। इस लिए प्रदेश के भाई और बहन इस होड़ में लगे हुए हैं। हाथ वालों को पेपर लीक मामले में घेरने वाले दिल्ली वाले बड़े भाईसाहबों को यह नागवार गुजरा। इस लिए फिलहाल सूची पर ब्रेक लगा दिया गया है। अब टिकट का यह जिन्न कब बाहर आएगा कोई नहीं जानता। अब उड़ते हुए कयास है कि बोतल से जिन्न या तो शुभ मुहुर्त में बाहर आएगा या फिर सबसे बड़े भाई साहब की चुनाव पूर्व वार्मअप रैली के बाद।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

मेहनत के दम पर मिलेगा मुकाम, बस पॉजीटिव मेंटलिटी जरूरी

स्थान टी-स्टॉल सी स्कीम, जयपुर **समय** दोपहर 12 बजे

भारत त्योहारों का देश है। यहां मनाए जाने वाले बहुत से त्योहारों के साथ ही एक ऐसा त्योहार भी है जिसे हर धर्म का भारतीय मनाता है। यह त्योहार है चुनाव। पांच साल में एक बार आने वाले इस त्योहार के लिए लोगों में जिज्ञासा, उत्साह, शंका, जोश और जाने कैसी-कैसी भावनाएं उछालें मार रही होती हैं। चुनाव लड़ने को तैयार नेताओं से लेकर भविष्य में चुनाव लड़ने के सपने देखने वाले युवा नेताओं तक और किसी विचारधारा के प्रति समर्पित होकर सोचने व काम करने वाले समर्थकों से लेकर बिना लाग-लपेट सही का समर्थन करने वाले नागरिकों तक सब इस त्योहार का मजा लेते हैं। तो, लोकतंत्र के इस त्योहार के माहौल के बीच जनता का मिजाज जानने हम पहुंचे सी-स्कीम में चाय के एक ठीये पर जहां कुछ युवतियों की मंडली जमी थी। बात जाहिर है चुनाव की ही चल रही थी- "क्यों अब तो मिल गया रिजर्वेशन, पिछली बार तो तू कॉलेज के चुनाव में बड़ा जोश में थी, अब हो जा तैयार।" एक स्टूडेंट ने दूसरी पर ताना मारा तो तीसरी ने उसका साथ दिया- "हां सही है सीधा विधानसभा ही पहुंचना अब, अब तो रास्ता खुल गया तेरे लिए।" जिस पर निशाना साधा गया था वह शायद राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश में हाथ-पैर मार रही स्टूडेंट थी, वह बोली-" अरे ऐसे कुछ होना जाना नहीं है। केवल रिजर्वेशन मिलने से कुछ नहीं होता। हां, अब हमारी गिनती तो बढ़ जाएगी लेकिन इसमें वो ही शामिल होंगी जिनके सिर पर किसी बड़े आका का हाथ है।" चौथी स्टूडेंट ने उसका साथ दिया-"हां बात तो सही बोल रही है। अब गांवों में देखते नहीं क्या तुम लोग। सरपंच बनती है आंटी और असली सरपंची करते हैं अंकल। जो भी एमएलए, एमपी, मंत्री बनती हैं उनके पति, पिता या कोई दूसरा रिश्तेदार पावरफुल होता ही है, तभी वो वहां पहुंचती है।" बात शुरू करने वाली स्टूडेंट ने ही बात खत्म करते हुए कहा-" ऐसा नहीं है, कई लेडीज खुद के दम पर भी आगे बढ़ती हैं, थोड़ा मेंटलिटी चेंज करो, मेहनत करो, जो मिला है उसका फायदा उठाओ और आगे बढ़ो।" अब टॉपिक चेंज हो गया था, लेकिन इस चर्चा ने युवाओं के मन में चलने वाले राजनीतिक विचारों की झलक तो दिखा ही दी।

■ नरेन्द्र शर्मा

चुनाव बेधड़क पेज से संबंधित अपने सुझाव, विचार व अपने क्षेत्र की राजनीतिक खबरें आप हमें इस ई-मेल पर भेज सकते हैं- news@sachbedhadak.in

पॉली क्लिक्स

राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी समय के साथ बदलती रहती हैं, लेकिन कई मामले अपवाद होते हैं। एक समय था जब किरोड़ीलाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी भाजपा के बड़े नेता थे, इसके बाद दोनों ने ही पार्टी छोड़ नई पार्टियां बना लीं। समय का चक्र घूमा और दोनों ही वापस पुराने घर आ गए। आज दोनों ही राज्यसभा सांसद हैं। राजनीतिक सहयात्रा के ऐसे उदाहरण कम ही देखने को मिलते हैं।

ई वॉर

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

शेखावत अकेले नेता जिन्होंने सात क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व विधानसभा में किया

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

संसदीय लोकतंत्र की शासन प्रणाली का संचालन निर्वाचन पद्धति से गठित लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के रूप में विधायिका के अन्तर्गत कार्यपालिका से किया जाता है। निर्वाचन के लिए जनप्रतिनिधि अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ते हैं। पिछले वर्षों में एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जाती रही है ताकि अनावश्यक उपचुनाव के झंझट से बचा जा सके।

लेकिन इसके विपरीत राजस्थान में मुख्यमंत्री के रूप में भैरोंसिंह शेखावत का एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव जीतकर

1977 का भैरोंसिंह शेखावत मंत्री मंडल।

विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने का कीर्तिमान बरकरार है। एक बार तो उन्होंने छह विधानसभा क्षेत्रों से नामांकन पत्र दाखिल करने का

रिकॉर्ड बनाया था। शेखावत का चुनावी सफर वर्ष 1952 में गठित प्रथम विधानसभा से आरम्भ होता है। अपने प्रिय अनुज और शिक्षक-कर्मचारी नेता बिशन सिंह शेखावत के प्रोत्साहन से भैरोंसिंह जी ने पुलिस सेवा से मुक्ति पाकर चुनाव लड़ने का मानस बनाया। जनसंघ प्रत्याशी के नाते उन्होंने सीकर जिले के दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से 1952 में पहली चुनावी जीत दर्ज की। वर्ष 1957 में वह इसी जिले के श्री माधोपुर क्षेत्र से विजयी रहे।

विधानसभा में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहे शेखावत ने जयपुर को अपनी राजनीति का केन्द्र बनाया। वह किशनपोल क्षेत्र से 1962 एवं 1967 में लगातार जीते लेकिन 1972 में गांधीनगर क्षेत्र से

युवा कांग्रेस प्रत्याशी जनार्दन सिंह गहलोत से पराजित हुए। ऐसा माना जाता है कि तत्कालीन जयपुर रियासत की गायत्री देवी की कथित नाराजगी से उन्हें चुनाव में पराजय मिली। इसी साल बाड़मेर से वह लोकसभा चुनाव में परास्त हुए।

आपातकाल के पश्चात 1977 के चुनाव में जनता पार्टी विधायक दल के नेता चुने जाने पर शाखावत ने बारां जिले के छबड़ा से उपचुनाव जीत कर मुख्यमंत्री के रूप में प्रथम बार शासन सत्ता की बागडोर संभाली। वर्ष 1980 में भी वह छबड़ा से चुनाव जीते। वर्ष 1985 के चुनाव में प्रदेशवासी चकित रह गए जब शेखावत ने एक साथ आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्रों से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। तब प्रदेश के राजनीतिक क्षेत्रों में यह चर्चा जोरों पर थी कि शेखावत को इस बात की आशंका थी कि सत्तारूढ़

दल सम्भवतः उनका नामांकन पत्र रद्द कराने की साजिश में लगा हुआ है। छह स्थानों पर नामजदगी के पर्चे दाखिल करके शेखावत ने जयपुर के आमेर तथा चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से चुनाव लड़ा और विजयी हुए। आमेर क्षेत्र से उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। वर्ष 1990 में भी वह दो क्षेत्रों छबड़ा व धौलपुर से विजयी रहे।

इस बार उन्होंने धौलपुर का प्रतिनिधित्व किया। इसी क्रम में 1993 में पाली जिले के बाली तथा गंगानगर से चुनाव लड़े लेकिन गंगानगर में पराजित हुए। 11वीं विधानसभा के लिए शेखावत ने वर्ष 1998 में आखिरी चुनाव लड़ा। बाद में वह दिल्ली की राजनीति में सक्रिय हुए तथा 2002 में उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। इसी राज्यसभा के लिए वह 1974 में मध्यप्रदेश से चुने गए थे। शेखावत का प्रदेश में सप्तक्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का रिकॉर्ड आज तक बरकरार है।

तेलंगाना की चुनावी डायरी: पीएम के दौरे के बाद तेलंगाना को मिला ट्राइबल यूनिवर्सिटी का तोहफा, हल्दी बोर्ड का गठन भी होगा

पवन कल्याण की जनसेना की एंट्री बिगाड़ेगी सियासी समीकरण!

एजेंसी | हैदराबाद

आंध्र प्रदेश की राजनीति में अहम खिलाड़ी बन चुकी फिल्म अभिनेता पवन कल्याण की पार्टी जनसेना पार्टी अब तेलंगाना की राजनीति में भी कदम रख रही है। पार्टी ने इस बार 32 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने का फैसला किया।

ऐसे में राज्य विधानसभा के चुनावों में पारम्परिक प्रतिद्वंद्वियों भारत राष्ट्र समिति(बीआरएस), कांग्रेस और भाजपा के साथ यदि यह एक और पार्टी जनसेना चुनाव मैदान में उतरती है तो चुनावी मुकाबलों में दिलचस्प मोड़ आ सकता है। हालांकि पार्टी के पास

फिलहाल तेलंगाना में मजबूत कैडर नहीं है। चूंकि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहोदर हैं, इसलिए जनसेना पार्टी चुनाव मैदान में उतरकर राज्य की राजनीति को प्रभावित कर सकती है। जनसेना पहले से ही राजग गठबंधन में शामिल है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि क्या वह राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन करेगी या अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी।

जनसेना आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ गठबंधन करने की घोषणा पहले ही कर चुकी है। इसलिए तेलंगाना में वह भाजपा के साथ रहेगी या अकेले मैदान में उतरेगी यह तस्वीर अभी साफ होना शेष है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर जनसेना तेलंगाना में पहले की तुलना में ब मजबूत मानी जारही भाजपा के साथ आती है तो इसका असर चुनाव नतीजों पर पड़ सकता है।

जनसेना ने मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन 32 निर्वाचन क्षेत्रों की सूची जारी कर दी है जहां वह चुनाव लड़ना चाहती है। जनसेना यह मानती है कि उसके पास तेलंगाना के सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने के लिए जरूरी कैडर नहीं है। ऐसे में पार्टी उन क्षेत्रों से चुनाव मैदान में उतरने का निश्चय किया है, जहां वह मजबूत है।राज्य में सत्तारूढ बीआरएस और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के बीच पहले से ही आपसे में सहयोग व समन्वय है। ऐसे में पवन कल्याण की तेलंगाना में एंट्री कई नई समीकरण बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषक अब यह अनुमान लगाने में जुटे हैं कि जनसेना के चुनाव मैदान में आने से किस पार्टी का समीकरण गड़बड़ाएगा या यह कोई खास असर नहीं छोड़ेगी।

तेलंगाना को तोहफा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा कैबिनेट ने तेलंगाना में सम्मक्का और सारक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी है। पीएम मोदी ने 1 अक्टूबर को तेलंगाना दौरे पर विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर ऐलान किया था। दो दिन बाद ही कैबिनेट की यह मंजूरी उसी दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने तय किया एजेंडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को तेलंगाना के दौरे पर थे, जहां उन्होंने राज्य को करोड़ रुपए की परियाजनाओं की सौगात दी। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने तेलंगाना के अगामी विधानसभा चुनाव के लिए एजेंडा भी वस्तुत: तय करने का प्रयास किया। तेलंगाना में ओबीसी मतों की चुनावों में निर्णायक भूमिका रहने की उम्मीद है और प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा ऐसे समय हुआ जब इसके एक दिन पहले ही बिहार में जातीय जनगणना के आंकडे जारी किए गए और इसके साथ ही जिसकी जितनी आबादी उसका उतना हक की आवाज बुलंद होने लगी है। पीएम मोदी ने जनसभा में तंज कसते हुए कहा कि एक समय तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव राजग में शामिल होना चाहते थे और सत्ता अपने बेटे के टी रामाराव को सौंपना चाहते थे, लेकिन हमने ही साथ लेने से इनकार कर दिया। पीएम मोदी ने यह कह कर केसीआर पर परिवारवाद की राजनीति को लेकर निशाने पर लिया।

विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश होंगे बिधूड़ी

नई दिल्ली। बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ लोकसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में भाजपा सासंद रमेश बिधूड़ी 10 अक्टूबर को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होंगे और अपना बयान दर्ज कराएंगे। बैठक के एजेंडे के अनुसार, संसद के कई सदस्यों की शिकायत के बाद रमेश बिधूड़ी का बयान दर्ज कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संसद के विशेष सत्र के दौरान चंद्रयान-3 मिशन पर सदन में चर्चा के दौरान रमेश बिधूड़ी ने दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। कई राजनीतिक पार्टियों के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

फैजल लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित

नई दिल्ली। राकांपा नेता मोहम्मद फैजल को बुधवार को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। लोकसभा सचिवालय ने इस संबंध में बुलेटिन भी जारी किया है। इसमें बताया गया है कि उनके खिलाफ यह कार्रवाई केरल उच्च न्यायालय द्वारा हत्या के प्रयास के एक मामले में उनकी सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज करने के बाद का गई है। गौरतलब है कि फैजल केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के लक्षद्वीप संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य थे। यह दूसरी बार है कि फैजल को लोकसभा की सदस्यता अयोग्य ठहराया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष की छत्तीसगढ़ में सभा, पीएम मोदी पर कसा तंज

कांग्रेस के चार में से तीन सीएम हैं ओबीसी समुदाय के: खरगे

एजेंसी | रायपुर

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में अपने सरकार रिपीट के करने के लिए सियासी प्रयास तेज कर दिए हैं। पार्टी के नेता राहुल गांधी के दौरे के बाद बुधवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्य के दौरे पर पहुंचे और रायगढ़ में पार्टी के भरोसे का सम्मेलन में शामिल हुए। खरगे ने अपने संबोधन में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ओबीसी समाज से आते हैं। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया भी ओबीसी से संबंध रखते हैं और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी ओबीसी वर्ग से आते हैं। हमारे चार में से तीन मुख्यमंत्री ओबीसी समाज से आते हैं।

खरगे ने ये दावा ऐसे समय में किया है जब बिहार में हुए जाति आधारित सर्वेक्षण के बाद कांग्रेस लगातार कह रही है कि जितनी जिसकी आबादी, उसकी उतनी

हिस्सेदारी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि गरीब ही एक जाति है। खरगे ने कहा कि हम ओबीसी जनगणना चाहते हैं, क्योंकि इससे वह जानकारी मिलेगी, जिसके आधार पर कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की गारंटी है लोगों का उत्पीड़न करना, कांग्रेस की गारंटी है रोजगार सृजन और किसानों के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि करना। आपने गुजरात मॉडल स्वीकार किया तो परेशानी का सामना करेंगे, अगर आप छत्तीसगढ़ मॉडल अपनाएंगे तो सुरक्षित रहेंगे। खरगे ने दावा किया, आपके (भाजपा) यहां तो किसी ओबीसी और अनुसूचित जाति के लिए अंतर इतना ज्यादा रहता है कि उनके साथ मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री बात नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि, मोदी की गारंटी लोगों को बेरोजगार रखने की होती है। हमेशा कांग्रेस सरकार गिराने की सोचते हैं।

मोदी जब-जब छत्तीसगढ़ आते हैं कांग्रेस सरकार को बदनाम करके जाते हैं

खरगे ने आगे कहा कि मोदी जब-जब छत्तीसगढ़ आते हैं कांग्रेस सरकार को बदनाम करके जाते हैं। दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को धमकी मिलती है कि हमारी बात नहीं सुनोगे तो ईडी और आईटी के छापे पड़ेंगे। रायगढ़ के सम्मेलन को लेकर उन्होंने कहा कि, ऐसा सम्मेलन शायद देश के किसी कोने में, किसी भाग में नहीं हुआ। ये गर्व की बात है कि हर जगह भरोसे का सम्मेलन छत्तीसगढ़ में हो रहा है, इसका नेतृत्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि, मेरा एक छोटा सा सुझाव है कि इसका नाम भरोसे का सम्मेलन ना होकर भरोसे के अनुष्ठान का सम्मेलन हो, छत्तीसगढ़ में यह अनुष्ठान सम्मेलन बड़ी संख्या में चल रहा है। सबके हित में काम हो रहा है। हमने आम लोगों की जरूरत को समझकर योजनाएं बनाई। इन योजनाओं से लाखों-करोड़ों हाथों को काम मिलता है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस संविधान नहीं बचाती, तो मोदी और शाह जैसे लोग पीएम और गृहमंत्री नहीं होते।

मोदी जी 'दूरदर्शन' हो गए

खरगे ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी जी लोगों को दूर से दर्शन देते हैं। उनके पास जाना मुश्किल है। हमारे राहुल गांधी और मुख्यमंत्री लोगों के पास जाकर मिलते हैं। कांग्रेस जनता के नजदीक है। इसका फायदा चुनाव में हमे जरूर मिलेगा। पीएम मोदी परिवारवाद की बात करते हैं। हमने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया। भाजपा के लोग केवल कुर्सी के पीछे दौड़ रहे हैं। हमने गरीबों के लिए काम किया। भारत जोड़ो यात्रा में सभी लोगों से मिले। बच्चे महिला, बुजुर्ग सभी से कंधे से कंधा मिलाकर चले।

MP: आज दिग्गज नेताओं के दौरे

PM मोदी देंगे सौगात प्रियंका गांधी की नजर मालवा अंचल पर

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों के लिए सियासी घमासान और तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को फिर राज्य के दौरे पर आ रहे हैं। वह राज्य को 12600 करोड़ रुपए की सौगात देंगे। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दौरे के बाद पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी गुरुवार को मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगी। कांग्रेस राज्य के मालवा अंचल पर खास तौर पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रियंका गांधी धार जिले के मोहनखेड़ा से कांग्रेस के चुनावी अभियान को धार देंगी और आदिवासी वोटों को साधने का प्रयास करेंगी। दोनों नेताओं का यह दौरा बहुत अहम माना जारहा है।

कांग्रेस: 100 से अधिक प्रत्याशियों के नाम तय

सूत्रों के अनुसार मध्य प्रदेश कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए तकरीबन 100 उम्मीदवारों के नाम पर तय कर लिए हैं और सूची का ऐलान 8 से 10 अक्टूबर तक होने के आसार हैं। कांग्रेस ने अपने चयनित प्रत्याशियों को चुनाव की तैयारी करने का इशारा भी कर दिया है। बैठक में कमेटी के सदस्यों के अलावा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ शामिल हुए और शुरुआती दौर में ही करीब 100 नामों पर सहमति बन गई। इनमें अधिकतर वर्तमान विधायक के नाम शामिल हैं।

BJP ने लिया फीडबैक: दूसरी ओर भाजपा की मंगलवार रात हुई बैठक में दूसरी और तीसरी सूची के प्रत्याशियों से सामूहिक तौर पर चर्चा कर जीत के लिए टिप्स दिए। बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य बड़े नेता मौजूद रहे।

राकांपा प्रमुख का संकेत नहीं लड़ेंगे लोस चुनाव, कहा...

एक दिन देश का नेतृत्व करेंगे राहुल

एजेंसी | मुंबई

राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को गंभीरता से लिया जा रहा है और वह एक दिन देश का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि वह 2024 का चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि दूसरों के लिए काम करेंगे। यहां एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में उन्होंने दोहराया कि भाजपा के साथ हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं है। शरद पवार ने अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के खेमे का जिक्र करते हुए

कहा, जो लोग भाजपा के साथ गए हैं, उनका राकांपा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने जांच एजेंसियों के डर के कारण उन्होंने पाला बदल लिया है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को ईडी के गिरफ्तार किए जाने को लेकर पवार ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई से विपक्षी गठबंधन और मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में उनसे कहा था कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की सात में से तीन सीटें कांग्रेस को देने के लिए तैयार है। उन्होंने विश्वास जताया कि हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश में कांग्रेस दोबारा मजबूत होगी। उन्होंने दावा किया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद महा विकास आघाड़ी (एमवीए) निश्चित रूप से महाराष्ट्र में सरकार बनाएगी।

लालू यादव, राबड़ी और तेजस्वी को मिली जमानत

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने राजद प्रमुख लालू यादव, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी को जमानत दे दी है। तीनों को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी गई है। अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। इस मामले में पेशी के लिए लालू परिवार दिल्ली भी पहुंचा हुआ था। बुधवार को सुनवाई के दौरान लालू परिवार के तीन सदस्यों के अलावा 17 आरोपी अदालत में पेश हुए।

एसवाईएल नहर विवाद पर सुनवाई

पंजाब सरकार को SC की फटकार सख्ती के लिए नहीं करें मजबूर

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और पंजाब सरकार के बीच चले आ रहे सतलज यमुना लिंक नहर विवाद पर पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप हमें सख्त एक्शन लेने के लिए मजबूर नहीं करें। हम नहीं चाहते हैं कि हम इस मुद्दे पर कोई सख्त आदेश पारित करें, इस मामले में राजनीति नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने

कहा कि हरियाणा में सतलज यमुना लिंक नहर नहर बनाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। पंजाब भी समस्या का हल निकालने की दिशा में काम करे। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी रिपोर्ट मांगी कि पंजाब में नहर के निर्माण के मौजूदा हालात कैसे हैं।

कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार को दोनों राज्यों के विवाद का हल निकालने के लिए पहल करे। साथ ही केंद्र पंजाब में नहर बनाने के लिए सर्वे शुरू करवाए।

पंजाब सरकार सर्वे प्रक्रिया में सहयोग करे। मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे हफ्ते में होगी।

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत

IAF को मिला ट्विन सीटर तेजस, हर मौसम में उड़ान भरने में सक्षम

एजेंसी | बेंगलुरु

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बुधवार को भारतीय वायुसेना को पहला एलसीए तेजस ट्विन सीटर विमान सौंप दिया है। कंपनी ने कहा कि इस ट्विन सीटर वेरिएंट में भारतीय वायुसेना की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने की सभी क्षमताएं हैं और आवश्यकता पड़ने पर लड़ाकू जेट की भूमिका भी निभा सकता है।

इस विमान की एक बड़ी खासियत यह भी है कि यह किसी भी मौसम में उड़ान भर सकता है। भारतीय वायु सेना ने हाल को 18 ट्विन सीटर विमान का ऑर्डर दिया है। इनमें से 8 अगले साल तक दे दिए जाएंगे। बचे हुए 10

विमान 2026-27 तक मिलेंगे। विमान यहां आयोजित एक समारोह के दौरान वायुसेना को सौंपा गया। समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट मुख्य अतिथि थे। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी समारोह में मौजूद थे।

गौरतलब है कि वायुसेना के पास एलसीए तेजस का एडवांस्ड वर्जन मार्क-1 ए विमान पहले से ही है। यह विमान एक फाइटर जेट है जो 2205 किमी प्रति घंटे की गति से हवा में उड़ान भरता है। यह फाइटर जेट 6 तरह की मिसाइलों को ले जाने में भी सक्षम है। वायुसेना ने 123 तेजस फाइटर जेट मांगे थे, जिसमें से 31 मिल चुके हैं। ये सभी तेजस एमके -1 हैं। इससे पहले मंगलवार को एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बताया कि वायुसेना 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1ए खरीदने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रही है। इसके अलावा वायुसेना अध्यक्ष चौधरी ने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना को रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट मिलीं। वायुसेना को अगले साल तक मिसाइल सिस्टम की शेष दो और यूनिट मिलने की उम्मीद है।

अंवतीपोरा में तैनात हैं तेजस एमके-1

उल्लेखनीय है कि वायुसेना ने 30 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा एयरबेस पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 को तैनात किया था। वायुसेना का कहना है कि उसके पायलट घाटी में उड़ान का अभ्यास कर रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश: सेना को 10 हजार फीट की ऊंचाई पर मिली दो फायरिंग रेंज

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में सेना को हाई एल्टीट्यूड (ऊंचाई वाले स्थान) वाली जगह पर दो फायरिंग रेंज उपलब्ध कराई गई हैं। इन फायरिंग रेंज में सैन्य बल विभिन्न हथियारों और निगरानी उपकरणों का अभ्यास करेंगे, जो सेना की तैयारी में अहम साबित होंगे। जहां फायरिंग रेंज उपलब्ध कराई गई है, वह जगह एलएसी से महज 50 किलोमीटर की दूरी पर ही है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अरुणाचल के मंडाला और कामराला में दो फायरिंग रेंज सेना को सौंपी। ये दोनों फायरिंग रेंज 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। **स्वदेशी हथियारों से लैस होंगे सैन्य बल:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वावलंबन 2.0' सेमिनार में स्वदेशी रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए पांचवी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की घोषणा की । जटिल प्रणालियों, सेंसरों, हथियारों और गोला-बारूद सहित 98 सैन्य हार्डवेयर इस नई सूची में शामिल किए गए हैं। जिन्हें एक निश्चित समय के भीतर आयात पर प्रतिबंध लगने के बाद घरेलू उद्योग से ही खरीदा जाएगा।

सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को किया ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में दो आतंकियों को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने बुधवार को ढेर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ कुलगाम के कुज्जर इलाके में हुई। मुठभेड़ दिन में शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद कुज्जर में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया था, जिस पर सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने आगे बताया कि मारे गए आतंकियों की पहचान बसीत अमीन भट्ट और साकिब अहमद लोन के रूप में हुई है।

यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स में पहली बार साथ नजर आएंगे चार सुपरस्टार

सलमान, शाहरुख और रितिक रोशन का जूनियर NTR से होगा 'दूसरा वॉर'

बेधड़क.जयपुर। यशराज अपनी स्पाई यूनिवर्स को और मजबूत करने की तैयारी है। इसके लिए एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, पठान और टाइगर 3 के बाद अब प्रोडक्शन हाउस ने इस सीरीज की अगली मूवी वॉर की तैयारी शुरू कर दी है। इस मूवी से बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने की पूरी तैयारी है। यही कारण है कि वॉर में कबीर खान के साथ रॉ एजेंट टाइगर और पठान को लाने के तैयारी है। अब जग तीन सुपर स्टार मूवी में हैं तो उनके मुकाबले के लिए विलन भी तो उतना ही पावरफुल होना चाहिए ना। ऐसे में यशराज ने एसएस राजामौली की आरआरआर से वर्ल्डवाइड फेमस हुए सुपरस्टार जूनियर एनटीआर को इस भूमिका के लिए चुना। यह जवानी है दीवानी और ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी पहली बार यशराज प्रोडक्शन की फिल्म वॉर 2 डायरेक्ट कर रहे हैं।

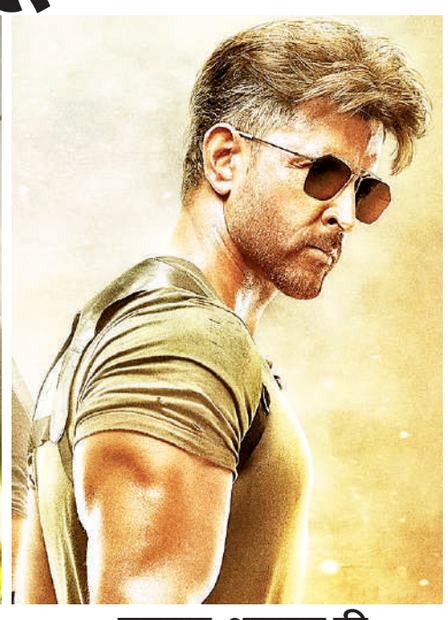

सलमान, शाहरुख की भूमिका पूरी होगी या कैमियो, इस पर संशय

डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने ही तीनों को साथ कास्ट करने का फैसला लिया है, लेकिन शाहरुख और सलमान का फिल्म में फुल रोल होगा या सिर्फ कैमियो, इस पर अभी संशय है। इस मूवी का कई कारणों से बज बन रहा है, क्योंकि अयान मुखर्जी पहली बार यशराज स्पाई यूनिवर्स की फिल्म डायरेक्ट कर रहे हैं। दूसरा कि इसमें तीन मेगास्टार साथ दिखेंगे।

अक्टूबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

फिल्म वॉर 2 की शूटिंग अक्टूबर से शुरू होने वाली है। फिल्म का मुहुर्त पहले ही हो चुका है, जिसके बाद अब जल्द शूटिंग शुरू होगी। फिलहाल ऋतिक रोशन अपनी फिल्म फाइटर की शूटिंग के सिलसिले में इटली में है। उनके लौटते ही उनके हिस्से के सीन शूट होंगे। इससे पहले डायरेक्टर अयान मुखर्जी जूनियर एनटीआर के साथ शुटिंग शुरू करने वाले हैं। वॉर 2 साल 2019 में आई वॉर की सीक्वल फिल्म है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर लीड रोल में थे। 2023 तक वॉर भारत में सबसे बड़ा ओपनिंग कलेक्शन करने वाली फिल्म थी, जिसका रिकॉर्ड शाहरुख खान की पठान ने 2023 में तोड़ है।

सुरमयी शाम में गीतों की बयार

बेधड़क. जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित साइंस पार्क में साज म्यूजिक इलेक्ट्रॉनिक के मोहम्मद आजाद सिद्दिकी और को- ऑर्गेनाइजेशन सुरेन्द्र बेदी की ओर से सुरमयी शाम का आयोजन किया गया। दोपहर दो से रात नौ बजे तक पुराने और पापुलर गानों को कलाकारों ने अपनी आवाज में पेश किया। प्रदेश ही नहीं नेपाल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से आए कलाकारों ने भी मशहूर गीतों को अपनी आवाज दी। कार्यक्रम में सुमन माथुर ने मेरे नसीब में तू है कि नहीं, धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना में जैसे गानों को अपनी सुरीली आवाज में गाया। गीतों में पवन शर्मा सहगायक रहे।

चयन होने पर किया सम्मान

बेधड़क. जयपुर। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में पूर्व 65 छात्रों, चिकित्सकों का राजस्थान होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी के पदों पर चयन होने पर सम्मान किया गया। इस सुअवसर पर प्राचार्या डॉ. योगेश्वरी गुप्ता, सीईओ डॉ. सर्वेश अग्रवाल, सीए श्रद्धा अग्रवाल, निदेशक डॉ. पंकज शर्मा, डीन एकेडमिक डॉ. अरुण चौगले व प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना, डॉ. शुचिता क्षत्रिय, डॉ. नीलिमा, डॉ. प्रांजली, डॉ. निवेदिता व डॉ. अपूर्वा आदि उपस्थित रहे। सभी एल्युमिनी चिकित्सकों को प्रतीक चिह्न, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, गानों व नाटक का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अंत में उप प्राचार्य डॉ. तनुज राजवंशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

30 स्टार्ट-अप विचारों का चयन

बेधड़क. जयपुर। फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन, जयपुर चैप्टर ने डीओआईटी एंड सी, जीओआर और आई स्टार्ट राजस्थान के सहयोग से स्टार्ट अप कॉन्क्लेव शेराइज का आयोजन किया गया। इसमें प्रतीक खंडेलवाल ने अपनी यात्रा साझा की और बताया कि कैसे मात्र आवश्यकता ने 'रैम्पमाईसिटी' के विचार को जन्म दिया। शानू मेहता ने अपने दृष्टिकोण से अवगत कराया कि कैसे एक साधारण विचार एक व्यावसायिक उद्यम में विकसित हो सकता है। फिक्की एफएलओ एंजेल इन्वेस्टर सेल के प्रमुख प्रियंका गुलाटी ने निवेश के महत्व पर प्रकाश डाला और व्यवसाय में महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। अखिल भारतीय आवेदनों में से सबसे प्रभावशाली 30 स्टार्ट-अप विचारों का चयन किया गया था।

City इवेंट्स

मानसिक स्वास्थ्य पर वार्ता

बेधड़क. जयपुर। सफल जीवन के लिए स्वास्थ्य प्रबंधन पर आईईईई दिवस समारोह के अवसर पर आईईईई कंप्यूटर सोसायटी और एमटीटी-एस स्टूडेंट ब्रांच चैप्टर द्वारा एसकेआईटी जयपुर में आईईईई राजस्थान सबसेक्शन के सहयोग से एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। आईएआई लैब में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के तरीके बताए गए। वक्ता डॉ. पशुपति नाथ ने सत्र को संबोधित किया। सत्र का आयोजन डॉ. शुभी जैन, डॉ. नीलम चौधरी द्वारा किया गया, जिसमें छात्र समन्वयक संस्कार चतुर्वेदी, अभय राज शुक्ला और आदित्य शर्मा ने भी योगदान दिया।

मित्रता स्वार्थ की नहीं, निस्वार्थ हो

बेधड़क. जयपुर। श्रीमद् भागवत कथा एवं अमृत महोत्सव स्वामी राम रतन देवाचार्य महाराज के सानिध्य में गोपालबाड़ी नरसिंह जी की बगीची में श्री नारायण धाम के कथा वाचक महाराज संतोष दास जी ने सुदामा चरित्र सुनाया। उन्होंने कहा कि आज के समय भी सभी लोगों को श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता से ज्ञान लेना चाहिए। मित्रता स्वार्थ की नहीं निस्वार्थ की होनी चाहिए। भगवान भाव एवं भावना के भूखे हैं। रसोई में भाव और भावना के साथ में भोजन बनाया जाता है तो वह प्रसादी बन जाती है।

200 लोगों ने लिया चिकित्सा लाभ

बेधड़क. जयपुर। महावीर इंटरनेशनल एसोशिएसन की ओर से मेडिकल कैम्प लगाया गया, जिसमें एलोपेथी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक चिकित्सा व पेट संबंधी रोग व बीमारियों का उपचार करने के साथ ही उचित परामर्श भी दिया गया। करीब 200 लोगों ने इस नि: शुल्क सेवा का लाभ उठाया। कैम्प में महावीर इन्टरनेशनल एसोशियसन के सभी सदस्यों का सहयोग रहा। साथ ही वीर सुभाष गोलेछा की अध्यक्षता में मासिक सभा का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह कोठारी ने भविष्य में वित्त का, देश, राज्यों व सभी जनता पर क्या प्रभाव पड़ेगा। वीर रतन लाल रांका की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा घोषित 5 लाख की सहायतार्थ राशि का चेक संस्था को दिया गया। संस्था द्वारा सहपत्नी वीर अशोक कुमार, अनिल कुमार, अरुण कुमार रांका का माला, शॉल, साफा पहनाकर आभार प्रकट किया।

आर्ट एग्जिबिशन में 25 कलाकार शामिल होंगे

देश के ख्यातनाम कलाकारों की चित्र प्रदर्शनी से रोशन होगा कला जगत

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान आर्किटेक्ट फेस्टिवल के अंतर्गत आगामी 6, 7, 8 अक्टूबर को होटल क्लार्क आमेर में आर्ट एग्जिबिशन आयोजित की जाएगी। इसमें देश के ख्यातनाम कलाकारों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी फेस्टिवल के एसोसिएट आर्ट एग्जिबिशन पार्टनर, पिंकफेस्ट आर्ट वोग द्वारा पदर्शित की जाएगी।

पिंकफेस्ट आर्ट वोग के फाउंडर सत्यजीत तालुकदार ने बताया कि यह कलाकृतियां जयपुर के कला प्रेमियों के लिए उन ख्यातिनाम कलाकारों की क्रिएटिवी को इतने करीब से जानने व समझने का मौका होगा। इनमें राजा रवि वर्मा, पदद्मविभूषण एम एफ हुसैन, पदम भूषण थोटा वैकुंठम, जोगेन चौधरी, कृष्ण खन्ना जैसे कलाकार शामिल हैं। साथ ही 25 से अधिक कलाकार जिनमें जोगेन चौधरी, सैयद हैदर रजा, राजा रवि वर्मा, जतिन दास, प्रतुल दास, कृष्णा खन्ना, धर्मेंद्र राठौर, अजय कुमार समीर, भवानी शंकर शर्मा, चिन्मय मेहता, विद्या सागर उपाध्याय, विनय शर्मा, दिलीप शर्मा, अमित कल्ला, गोपाल खेतांची, सत्यजीत तालुकदार, हरिराम कुमावत, सोहन जाखड़, डाअमिता गोयल, सुधीर कासलीवाल, महेश स्वामी, अजय मिश्रा, जगदीश प्रसाद की कृतियां शामिल होंगी। यह आर्टिस्ट, धर्मेंद्र राठौर द्वारा क्यूरेट की जा रहा है। तालुकदार बताया कि प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहेगी। इस अवसर पर सहयोगी संस्था सेव और सिटी द्वारा कई तरह की अन्य आर्ट एक्टिविटी का आयोजन भी किया जाएगा।

पर्यावरण जागरूकता अभियान

छात्र-छात्राओं, शिक्षकों को दिए जूट बैग, बीज का उपहार

बेधड़क | जयपुर

आरंभ राजस्थान विश्वविद्यालय यूनिट की ओर से पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत पहले दिन सेंट्रल पार्क (गांधी वाटिका) में पोस्टर्स के साथ जन जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण के मूलभूत सिद्धांत समझाए।

रैली का नेतृत्व चंचल, रणवीर, आयुष और ऋषभ द्वारा किया गया। गुलमोहर एवं अमलतास के बीज के साथ जूट बैग का वितरण भी किया गया। अनेक विदेशी पर्यटकों एवं आम जनता ने भी इस रैली में सक्रिय भागीदारी निभाई एवं इस पहल की सराहना की। अभियान के अंतर्गत ही ध्रुव स्कूल, रामगढ़ मोड़ में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दो गतिविधियां आयोजित की गई।

सर्वप्रथम सभी छात्र एवं छात्राओं को पीपीटी प्रेजेंटेशन का उपयोग करते हुए 3R सेशन के माध्यम से पृथ्वी पर बढ़ते प्रदूषण एवं उससे निपटने के उपायों को एक छोटी सी कहानी के माध्यम से समझाया गया एवं प्रश्नोत्तरी एवं पहेलियां भी पूछी गई, कार्यक्रम अतुल, अर्पित, किरण, तनीषा, माधव और मोहित द्वारा संचालित किया गया।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को जूट बैग एवं बीज उपहार स्वरूप दिए गए। सेशन के बाद व्यावहारिक रूप से पर्यावरण संरक्षण के कदम उठाने की दिशा में प्लास्टिक की बोतलों को पुनर्चकित करके बच्चों से बर्ड फीडर बनवाए गए। विद्यालय प्रशासन के द्वारा भी पर्यावरण संरक्षण की इस पहल की सराहना की गई।

सितारों का महाकुंभ | वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के स्पीकर्स की दूसरी लिस्ट जारी

तारा के बेटे 'जीते' सहित 100 सेलेब्रेटी रखेंगे अपनी बात

बेधड़क | जयपुर

एसके फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के तीसरे संस्करण में इस बार हेल्थ और वेलनेस से जुड़े सितारों का महाकुम्भ होगा। 7-8 अक्टूबर को इस फेस्ट का आयोजन जयपुर में जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में एस के फाइनेंस और संस्कृति युवा संस्था द्वारा किया जा रहा है।

फेस्ट में हेल्थ एंड वेलनेस के अलग अलग आयामों से जुड़े 100 से अधिक एक्सपर्ट, विभिन्न सेशन के जरिये अपनी बात रखेंगे। फेस्ट के सह-संस्थापक, नरिशन्त

शर्मा और मुकेश मिश्रा ने बताया कि फेस्ट में सेशन् के अलावा भांगड़ा जुम्बा का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की जाऐगी। जिसमे भांगड़ा फिटनेस सोशल मीडिया पर फेमस एश्ली कौर भांगड़ा करेंगी और साथ में जुम्बा भी होगा, ओशो डायनमिक मैडिटेशन, ओपन माइक, किचन गार्डन वर्कशॉप, फूड कोर्ट भी होगा। हेल्थ एन्ड लाइफस्टाइल एक्जीबिशन भी लगेगी। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है, लेकिन वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

ये होंगे स्पीकर्स और मोडरेटरस

संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष, पंडित सुरेश मिश्रा और जेइसीआरसी यूनिवर्सिटी के निदेशक व आयोजन समिति के चेयरमेन, अमित अग्रवाल ने आज फेस्ट मे शामिल होने वाले अहम स्पीकर्स और मोडरेटरस की दूसरी लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में बॉलीवूड एक्टर और सिंगर पीयूष मिश्रा, ग़दर फेम उत्कर्ष शर्मा, पी एस टू के राइटर दिव्य प्रकाश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश माथुर, वरिष्ठ पत्रकार अमित वाजपेयी, मनिपाल हॉस्पिटल के डॉ बी आर बगरिया, आईएनए सोलर के मनीष गुप्ता, एमडी विकास जैन, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया, डॉ. संजीव शर्मा, डॉ. विक्रम अरोड़ा, डॉ. मधुसूदन पाटोदिया, डॉ. ज्योति बंसल, डॉ. संदीप गुप्ता, डॉ. राजेश गार्सा, डॉ. जीतेन्द्र गोस्वामी, डॉ.राधिका गोविल, जयश्री पेरीवाल, वरिष्ठ पत्रकार श्री तरूण शर्मा, डॉ. मीना शर्मा, डॉ. संदीप जैन, डॉ. एस कुमार, डॉ. विजय कपूर, डॉ. प्रमिला संजय, डॉ. रोहित स्वामी, डॉ. प्रीति अग्रवाल, डॉ. तेज प्रताप सिंह, डॉ.पूनम गोयल - डॉ. मणिकांत जैन, डॉ.अंशु जैन, श्री अनुराग त्रिवेदी, ज्योति बिड़ला, डॉ. रुचिरा राठौड़ सोलंकी, डॉ. शीनू झंवर, श्रीमती ज्योति सागर रे, श्रीमती निधि ए डेटा, श्रीमती गुंजन जैन - श्री चंदन सेन, डॉ. संजीब रॉय, डॉ. बुधादित्य चक्रवर्ती, डॉ. अमित चक्रवर्ती, प्रोफेसर सुबीर देबनाथ, डॉ. प्रमिला संजय, रवि गोयनका, अशोक कुमार कोठारी, श्री गोविंद पारीक, डॉ. बलविंदर सिंह ठक्कर, डॉ. अशोक ढोबले - डॉ. भारती शर्मा, डॉ. प्रभात पंकज, निर्मल भटनागर, स्वामी प्रेम अन्वेषी, डॉ.आदित्य सोरल, श्री राजेश चौधरी, मोनिका चौधरी, डॉ. लता श्रीमाली, श्री पुरूषोत्तम दिवाकर, भारती सिंह चौहान के नाम शामिल है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, गुरुवार, 05 अक्टूबर, 2023

10

असफलताएं सीमित हैं, उन्हें स्वीकार करना चाहिए,
परंतु आशाएं अनन्त हैं, जो हमें कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इटली के वेनिस में भीषण हादसा: बस पलटने से लगी आग, सिर्फ 15 यात्री बचाए जा सके

21 लोगों की मौत... बचाव कार्य जारी

एजेंसी | रोम

वेनिस में बड़ा सड़क हो गया, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटली के अधिकारियों की मानें तो हादसे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना इटली के वेनिस शहर की है। बचाव कार्य जारी है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुगनारो ने बताया कि मंगलवार शाम वेनिस के मेस्त्रे में एक बस पलटकर सड़क से नीचे उतर गई। रेलवे ट्रैक के पास गिरी बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई तो वहीं सिर्फ 15 लोगों को ही जिंदा बचाया जा सका है। पुलिस की मदद से बचाव दल ने मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया है।

अब भी कई दबे हैं मलबे में

हालांकि, कुछ लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं, जिन्हें निकाला जा रहा है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। रिपोर्ट के अनुसार हादसे का असल कारण क्या है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की जांच की जा रही है। घटनास्थल पर बचाव कार्य और पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं। मलबे में दबे लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

ईयू की अध्यक्ष ने व्यक्त की संवेदनाएं

मेयर ब्रुगनारो ने ट्वीट कर कहा कि मृतकों के लिए मैंने लोगों से शोक मनाने का आग्रह किया है। हादसा सर्वनाशकारी था। इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। वहीं, यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मैं हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों का दुख समझ सकती हूं। पीड़ितों के परिजनों के प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। दुख की इस घड़ी में मैं इटली के राष्ट्रपति मैटरेल्ला और प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मेलोनी के साथ हूं।

क्वांटम डॉट्स की खोज वाले तीन वैज्ञानिकों को पुरस्कार...

मिलेगा केमिस्ट्री का नोबेल

एजेंसी | कोपेनहेगन

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए मौंगी जी बावेंडी, लुईस ई ब्रूस और एलेक्सी आई एकिमोव को रसायन विज्ञान में 2023 नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया है। आज क्वांटम डॉट्स नैनोटेक्नोलॉजी के टूलबॉक्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल पुरस्कार विजेता सभी नैनोवर्ल्ड की खोज में अग्रणी रहे हैं। नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक अब टेलीविजन और एलईडी लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं, और कई अन्य चीजों के अलावा ट्यूमर सेल्स को हटाते समय सर्जनों का मार्गदर्शन भी कर सकते हैं।

रसायन विज्ञान 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जिन्हें कहा जाता है क्वांटम डॉट्स, उनका बहुत महत्व

रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। हालांकि, जब पदार्थ नैनो-डायमेंशन में सिकुड़ जाता है तो क्वांटम फेनोमेना पैदा होता हैं। ये पदार्थ के आकार से नियंत्रित होते हैं। कण, जिन्हें क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, अब नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत महत्व रखते हैं।

इन तीनों वैज्ञानिकों की क्या रही उपलब्धि

रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष जोहान एक्विस्ट ने कहा कि क्वांटम डॉट्स में कई आकर्षक और असामान्य गुण हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके आकार के आधार पर उनके अलग-अलग रंग होते हैं। 1980 के दशक की शुरुआत में एलेक्सी एकिमोव रंगीन कांच में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव बनाने में सफल रहे। यह रंग कॉपर क्लोराइड के नैनोकणों से आया और एकिमोव ने प्रदर्शित किया कि कण का आकार क्वांटम प्रभावों के माध्यम से कांच के रंग को प्रभावित करता है। कुछ साल बाद, लुई ब्रूस दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे, जिन्होंने किसी तरल पदार्थ में स्वतंत्र रूप से तैरते कणों में आकार-निर्भर क्वांटम प्रभाव साबित किया।

ममता की पराकाष्ठा से पनपी मां की क्रूरता, पुत्र के कर दिए कई टुकड़े

खा गई 5 साल के बेटे का सिर काटकर

एजेंसी | काहिरा

एक मां के लिए उसकी औलाद जिगर का टुकड़ा होती है। वह हमेशा उसे अपने दिल से लगाए रखना चाहती है, लेकिन एक हैरान कर देने वाले मामले में एक मां ने अपने बेटे को चाकू से काटकर मार डाला और उसे खा गई।

मामला मिस्र का है। अपने पांच साल के बेटे को चाकू से काटकर उसके सिर का हिस्सा खाने वाली मां को अदालत ने आपराधिक रूप से पागल घोषित कर दिया है। महिला का नाम 29 वर्षीय हना मोहम्मद हसन है। उस पर अपने बेटे यूसुफ की नृशंस हत्या का मुकदमा चल रहा था, कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आरोपी अपनी पैरवी करने के लिए सही हालत में नहीं है। उसने पागलपन की स्थिति में बेटे को मार डाला था। घटना तब सामने आई जब मासूम यूसुफ के चाचा को उसके शरीर के टुकड़े मिले। आरोपी महिला ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने ही अपने बेटे का सिर काटा और उसका कुछ हिस्सा खाया लिया।

उसने पुलिस को कारण बताया कि वह "मैं चाहती थी कि बेटा हमेशा उसके साथ रहे।"

पाक: अवैध प्रवासियों को देश छोड़ने का आदेश

कराची। पाक ने अफगानिस्तान के अवैध प्रवासियों को देश खाली करने का आदेश दिया है। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। तालिबान ने इसे अस्वीकार्य बताया है। तालिबान ने कहा, 'पाकिस्तान की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं के लिए अफगानियों पर दोष नहीं मढ़ा जा सकता है। अफगान शरणार्थियों के प्रति पाकिस्तान का ऐसा बर्ताव कतई स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है।'

चीन की परमाणु पनडुब्बी अपने ही जाल में फंसी

55 नौसैनिक मरने की आशंका

बीजिंग। चीन ने पीले सागर में विदेशी जहाजों के लिए जो जाल बिछाया था, उसी की परमाणु पनडुब्बी खुद उसी फंस गई। इस हादसे में उसके 55 नौसैनिकों के मौत की आशंका है। मिरर की रिपोर्ट है कि चीनी नौसेनिकों की मौत की संख्या में इजाफा हो सकता है। मरने वालों में कैप्टन, 21 बड़े अधिकारी और चालक और

नौसैनिक शामिल हैं। इस हादसे पर चीन का भी बयान आया है। ब्रिटेन की एक गोपनीय ख़ुफ़िया रिपोर्ट के अनुसार, पनडुब्बी को एक "चेन और एंकर" जाल का सामना करना पड़ा।

पनडुब्बी के ऑक्सीजन सिस्टम में खराबी के कारण पनडुब्बी में सवार चीनी नौसैनिकों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया था और उनकी मौत हो गई। मृतकों में चीनी पीएलए नौसेना की पनडुब्बी '093-417' के कैप्टन और 21 अन्य अधिकारी भी शामिल हैं।

लिथियम बैटरी की होगी छुट्टी

US बना रहा शक्तिशाली व सस्ती बैटरी

■ चीन के लिए बुरी खबर, मोनोपोली खत्म

एजेंसी | वॉशिंगटन

दुनिया के लिथियम भंडार पर कब्जा करने वाले चीन के लिए बुरी खबर है। अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एक ऐसी शक्तिशाली बैटरी बना रहे हैं, जिसमें लिथियम की जरूरत नहीं होगी। यही नहीं, एल्युमिनियम की पन्नी से बनाई जाने वाली यह बैटरी बहुत सस्ती होगी और पर्यावरण के लिहाज से बहुत फायदेमंद होगी।

इस ठोस बैटरी में ऊर्जा को स्टोर करने और स्थिरता की गजब की क्षमता होगी। इससे किसी इलेक्ट्रिक कार को मात्र एकबार चार्ज करके बहुत लंबी दूरी तक सफर किया जा सकता है।

आइडिया 1970 के दशक का

एल्युमिनियम से बैटरी बनाने का आइडिया 1970 के दशक का है, लेकिन यह सफल नहीं रहा था। अब सॉलिड स्टेट बैटरी बनकर सामने आई है। लिथियम बैटरी में जहां लिक्विड होता है, जिसमें आग लगने का खतरा रहता है, वहीं सॉलिड स्टेट बैटरी में एक ठोस मटेरियल होता है, जो ज्वलनशील नहीं होता है। इस वजह से यह बैटरी सुरक्षित होगी। ये बैटरी बनकर तैयार हो जाती है तो इससे चीन की दादागीरी पर लगाम लगेगी, जो लिथियम के भंडार और उसको रिफाइन करके तैयार करने में एकाधिकार रखता है। यही नहीं, चीन अक्सर दुनिया के अन्य देशों को धमकाता भी रहता है।

एल्युमिनियम की पन्नी से बनाई बैटरियां

अब बैटरी के शोधकर्ता लिथियम का विकल्प तलाश रहे हैं। इसकी वजह है कि अगली पीढ़ी के लंबी दूरी के वाहन और इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट बाजार में आने वाले हैं। जार्जिया इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने एल्युमिनियम की पन्नी से नई बैटरियों का निर्माण किया है, जिसमें ऊर्जा की सघनता और ज्यादा स्थिरता होगी। इन शोधकर्ताओं का कहना है कि एल्युमिनियम का इस्तेमाल बैटरी बनाने में करना बहुत रोचक रहा। इसकी वजह यह है कि एल्युमिनियम बहुत सस्ता, बार इस्तेमाल किए जाने योग्य और आसानी से काम करने लायक होता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: पंकज सोनी*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl